राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार 09 मई 2024 वर्ष–7,अंक–105 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

सैम पित्रोदा ने इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा

-भारत के अलग-अलग हिस्सों में रहने वाले लोगों की विवादित रूप से तुलना पर मचे बवाल के बाद लिया निर्णय

नई दिल्ली । लोकसभा चुनाव के बीच विवादित बयानबाजी कर घिरे कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा ने इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। वहीं कांग्रेस ने भी उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। इसकी जानकारी खुद पार्टी के नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दी है। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, सैम पित्रोदा ने अपनी मर्जी से इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने का फैसला किया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। दरअसल, इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के चेयरमैन सैम पित्रोदा का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह भारत के अलग-अलग हिस्सों में रहने वाले लोगों की रंगभेद के जरिए विवादित रूप से तुलना करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में पित्रोदा पूर्वी भारत के लोगों की तुलना चीनी और दक्षिण भारत के लोगों की तुलना अफ्रीकी लोगों से करते नजर आ रहे हैं। इसको लेकर कांग्रेस निशाने पर है। हालांकि पार्टी ने पित्रोदा के बयान से किनारा कर लिया है। सैम पित्रोदा के इस बयान पर अब कांग्रेस ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस पार्टी ने पित्रोदा के बयान से खुद को पूरी तरह से अलग कर लिया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर बयान जारी करते हुए कहा है कि सैम पित्रोदा ने एक पॉडकास्ट में भारत की विविधता को दर्शाने के लिए जो तुलना की है, वह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और अस्वीकार्य है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस इन उपमाओं से खुद को पूरी तरह अलग करती है।

सैम पित्रोदा ने कहा था

वीडियो में सैम पित्रोदा कहते हैं कि भारत एक अत्यंत विविधता भरा देश है, जहां पूर्वी भारत में रहने वाले लोग चीन के लोगों जैसे, पश्चिम में रहने वाले अरब जैसे, उत्तर भारत में रहने वाले श्वेतों की तरह और दक्षिण में रहने वाले अफ्रीकी लोगों की तरह दिखते हैं। लेकिन इससे फर्क नहीं पड़ता। हम सभी भाई-बहनें हैं। उन्होंने कहा कि हम अलग-अलग भाषाओं, धर्मों और रीति-रिवाजों का सम्मान करते हैं। ये वही भारत है, जिस पर मेरा भरोसा है, जहां हर किसी का सम्मान है और हर कोई थोड़ा-बहुत समझौता करता है।

अरुणाचल प्रदेश में आया भूकंप, घर से बाहर निकले लोग

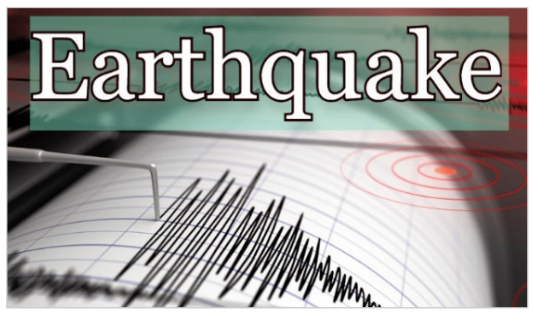

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के लोअर सुबनसिरी में आज बुधवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। राष्ट्रीय भूकंप केंद्र के अनुसार भूकंप बुधवार सुबह 4:55 बजे आया है। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.1 मापी गई। सूत्रों के मुताबिक, भूकंप करीब 4 बजकर 55 मिनट पर लोअर सुबनसिरी जिले में महसूस किया गया। जिस समय भूकंप आया उस समय सभी लोग अपने घरों में सो रहे थे। अचानक धरती के कांपने पर लोगों की नींद टूट गई। डरे और सहमें लोग घर के बाहर निकल आए तो कुछ घर में ही सेफ जगह बैठ गए। हालांकि, अभी तक किसी भी तरह की जानमाल का नुकसान होने की जानकारी नहीं मिली है।

भारत में चीन के नए राजदूत फेइहोंग की देरी के बाद हो रही नियुक्ति

नई दिल्ली। चीन की ओर से फेइहोंग की नियुक्ति को लेकर आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। हालांकि, चीन के विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि अफगानिस्तान और रोमानिया में चीन के राजदूत रहे फेइहोंग अब भारत में देश के नए राजदूत होंगे। सूत्रों का कहना है कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने वरिष्ठ राजनयिक जू फेइहोंग के नाम पर मुहर तो लगा दी है लेकिन, आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है। वह सुन वेइडोंग की जगह लेंगे, जो अभी चीन में उप विदेश मंत्री का पद संभाल रहे हैं। फेइहोंग (60) के जल्द ही नई दिल्ली जाकर पदभार ग्रहण करने की संभावना है। वह चीन के अनुभवी चीनी राजनयिक सुन वेइडोंग का स्थान लेंगे जिनका कार्यकाल अक्टूबर 2022 में समाप्त हो चुका है। सुन भारत में चीन के राजदूत की जिम्मेदारी निभाने से पहले इसी पद पर पाकिस्तान में कार्य कर चुके थे और मौजूदा समय में चीन के उप विदेशमंत्री हैं। वह दक्षिण एशिया को लेकर चीन की नीति भी देख रहे हैं।

राहुल गांधी के बारे में भाजपा की पूरी मशीनरी ने झूठ फैलाया-प्रियंका गांधी

रायबरेली ।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भारतीय जनता पार्टी पर बुधवार को आरोप लगाया कि उसकी पूरी मशीनरी कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के बारे में झूठ फैलाती रही। उन्होंने यह भी दावा किया कि भाजपा की हर योजना सिर्फ खरबपतियों के लिये है और यही वजह है कि उसके नेता अपने चुनावी भाषणों में सिर्फ धर्म, जाति और मंदिरकृमस्जिद की ही बात करते हैं। प्रियंका ने रायबरेली के थुलवासा में रायबरेली लोकसभा सीट से प्रत्याशी अपने भाई राहुल गांधी के समर्थन में आयोजित न्याय संकल्प सभा को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि, ''आपको मालूम होगा कि राहुल जी ने कितना संघर्ष किया है। वह हमारे देश में एक ऐसे इंसान हैं जिनके बारे में भाजपा की पूरी मशीनरी ने हर तरीके से गलत बातें और झूठ फैलाया। कैसे-कैसे आक्रमण किये। उनको संसद से निकाल दिया गया, उनको घर से निकाल दिया गया लेकिन राहुल पीछे नहीं हटे। यह उनका चरित्र है कि जब वह अन्याय होते हुए देखते हैं तो वह न्याय की लड़ाई लड़ते हैं और उससे कदम पीछे नहीं खींचते।'' उन्होंने कहा कि ''इसीलिए राहुल कन्याकुमारी से कश्मीर तक चार हजार किलोमीटर पैदल चले और फिर उसके बाद मणिपुर से लेकर मुंबई तक उन्होंने यात्रा की। यह आपकी समस्याओं को समझने वाली यात्राएं थीं। यह देश को बताने वाली यात्राएं थीं कि देश में राजनीति की जो दिशा है वह गलत हो रही है तथा हमें उसे ठीक करना है।'' प्रियंका ने बेरोजगारी के मुद्दे पर भाजपा को घेरते हुए कहा, ''भाजपा की सरकार में केन्द्र में 30 लाख पद खाली पड़े हैं। भाजपा बेरोजगारी को दूर करने की योजनाएं नहीं लाती बल्कि आपकी उम्मीदों को तोड़ने वाली योजनाएं लाती है। भाजपा की जितनी भी योजनाएं हैं, सब बड़े-बड़े खरबपतियों के लिए हैं। आप यह समझ लीजिए कि बड़े-बड़े खरबपतियों के 16 लाख करोड़ रुपए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने माफ किए हैं। यह किसके पैसे हैं? यह मोदी जी के पैसे तो हैं नहीं। वह देश के पैसे हैं।'' उन्होंने कहा कि महंगाई और बेरोजगारी के बारे में भाजपा के नेता बात ही नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा ''भाजपा के नेता यहां आएंगे और भाषण में धर्म की बात करेंगे, जाति की बात करेंगे, मंदिर-मस्जिद की बात करेंगे, मगर आपकी समस्याओं पर बात नहीं करेंगे।''

प्रियंका ने कहा कि आज देश में सबसे बड़ी दो समस्याएं महंगाई और बेरोजगारी की हैं। उन्होंने कहा कि जब खर्च करना पड़ता है तो घबराहट होती है क्योंकि आज नरेन्द्र मोदी के राज में महंगाई इतनी बढ़ चुकी है कि आम जनता अपना गुजारा नहीं कर पा रही है। उन्होंने कहा ''इसके लिए आपकी मदद करने की बजाय मोदी जी की सरकार ने आपको पांच किलो राशन का बोरा पकड़ा दिया। उनकी सोच यह है कि वही आपके लिए काफी होना चाहिए, लेकिन वह काफी हो नहीं रहा है।

विपक्ष पर खूब बरसे पीएम मोदी, कांग्रेस को बताया समस्यायों की जननी

कांग्रेस-बीआरएस तेलंगाना में 'फैमिली फर्स्ट' सिद्धांत पर काम करते हैं

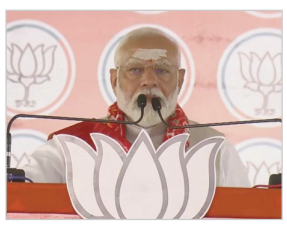

करीमनगर।

लोकसभा चुनाव का तीसरा चरण भी सम्पन्न हो चुका है। तीसरे चरण में पहले दो चरणों के मुकाबले मतदान प्रतिशत अच्छा रहा। अब राजनीतिक पार्टियां चौथे चरण के मतदान के प्रचार प्रसार में जुट गई हैं। वहीं आज पीएम नरेंद्र मोदी तेलंगाना के करीमनगर में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करने पहुंचे। इस रैली में पीएम मोदी ने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि तीसरे चरण के मतदान के बाद कांग्रेस का तीसरा फ्यूज उड़ गया है और बीआरएस का भी अता-पता नहीं है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के लोगों ने पिछले दस वर्षों में मेरा काम देख लिया है। आपके एक वोट ने भारत को दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना दिया है। आपके एक वोट ने आर्टिकल 370 को निरस्त कर दिया और जम्मू-कश्मीर में शांति और समृद्धि ला दी है। आपके एक वोट ने भारत को रक्षा आयातक से रक्षा निर्यातक बना दिया।

पीएम नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस को समस्यायों की जननी बताते हुए कहा कि आज पूरा देश संभावनाओं से भरा हुआ है, लेकिन कांग्रेस पार्टी ने अपने पूरे शासनकाल में लोगों की क्षमता को बर्बाद करने के अलावा कोई काम नहीं किया। कांग्रेस ने अर्थव्यवस्था को नष्ट कर दिया, कृषि और कपड़ा क्षेत्रों को नुकसान पहुंचाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और बीआरएस पूरी तरह से 'परिवार द्वारा, परिवार का और परिवार के लिए' हैं। ये दोनों पार्टियां एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। हमारी पार्टी बीजेपी 'नेशन फर्स्ट' सिद्धांत में विश्वास करती है, लेकिन दूसरी ओर कांग्रेस और बीआरएस तेलंगाना में 'फैमिली फर्स्ट' सिद्धांत पर काम करते हैं।

पीएम ने आगे कहा कि कांग्रेस और बीआरएस को एक साथ बांधने वाला एकमात्र 'गोंद' भ्रष्टाचार है। तुष्टिकरण की राजनीति ही उनका एजेंडा है। कांग्रेस और बीआरएस 'शून्य शासन मॉडल' का पालन करते हैं। इसलिए, हमें तेलंगाना को इन दोनों पार्टियों के भ्रष्ट चंगुल से बचाने की जरूरत है। करप्शन कांग्रेस-बीआरएस का कॉमन कैरेक्टर है। ये दोनों एक दूसरे पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हैं। लेकिन, बैकडोर से यह दोनों पार्टियां एक ही करप्शन सिंडिकेट का हिस्सा हैं इसलिए आपको इस चुनाव में इन दोनों को आपको सबक सिखाना है।

चौथा चरण: अब दस राज्यों की 96 सीटों पर होगा मतदान

नई दिल्ली।

लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण का मतदान पूरा हो चुका है। तीसरे चरण में 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 93 सीटों पर वोटिंग हुई। मतदान का प्रतिशत औसतन 64 प्रतिशत रहा। अब लोगों की नजर चौथे चरण के मतदान पर है। 13 मई को चौथे चरण के तहत 10 राज्यों में 96 लोकसभा सीटों पर वोटिंग होनी है। चौथे चरण के मतदान से पहले अब सियासी दलों ने अपना प्रचार प्रसार इन 96 सीटों पर तेज कर दिया है।

चौथे चरण में इन 10 राज्यों में वोटिंग

1. आंध्र प्रदेश
2. बिहार
3. जम्मू एवं कश्मीर
4. झारखंड
5. मध्य प्रदेश
6. महाराष्ट्र
7. ओडिशा
8. तेलंगाना
9. उत्तर प्रदेश
10. पश्चिम बंगाल

मतदान कर्मियों और ईवीएम ला रही बस में लगी आग, कोई हताहत नहीं

- फायर ब्रिगेड ने बुझाई आग, पुलिस कर रही जांच

बैतूल।

मध्य प्रदेश के बैतूल में मंगलवार रात लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण की वोटिंग के बाद मतदानकर्मी और ईवीएम मशीनें ला रही बस में अचानक आग लगी। बस को आग से घिरता देख ड्राइवर ने तुरंत बस रोक दी और बस से कूद गया। इसके बाद उसमें बैठे मतदानकर्मी भी बस से कूद गए। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जानी नुकसान नहीं हुआ है। समय रहते सब बस से नीचे उतर गए। उसके बाद देखते ही देखते आग ने बस को पूरी तरह अपने चंगुल में ले लिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस मामले की जांच कर रही है। यह हादसा साईंखेड़ा थानाक्षेत्र के बिसनूर और पौनी गौला गांवों के बीच यह हुआ हादसा, जिसकी सूचना मिलने पर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। बैतूल, मुलताई और आठनेर से फायर ब्रिगेड को बुलाया गया। फायर फाइटर्स ने आग बुझाई और अंदर रखी मतदान सामग्री को बाहर निकाला। मतदान कर्मचरियों और ईवीएम-वीवीपैट मशीनों को लाने के लिए दूसरी बस बुलाई गई। पुलिस अब आग लगने के कारणों का पता लगा रही है। बता दें कि लोकसभा चुनाव 2024 के तीसरे चरण के तहत 7 मई को मध्य प्रदेश की 9 सीटों- मुरैना, भिंड, ग्वालियर, गुना, सागर, विदिशा, भोपाल, राजगढ़ और बैतूल पर वोट डाले गए थे। 7 मई को 9 सीटों पर वोटिंग हुई और अब मप्र की शेष आठ सीटों पर 13 मई को चौथे चरण में मतदान होगा।

4 से 5 पोलिंग बूथ पर हो सकती है रिपोलिंग

बस में आग लगने से कुछ ईवीएम जलने का मामला भी प्रकाश में आया है। इसके चलते करीब 4 से 5 पोलिंग बूथ पर रिपोलिंग करने की बात कही जा रही है। रिटर्निंग अधिकारी बैतूल ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को इस संबंध में रिपोर्ट भेज दी है। आरओ की रिपोर्ट पर चुनाव आयोग फैसला लेगा, उसके बाद ही तय होगा कि क्या किया जाएगा।

अगर मान लिया राहुल गांधी का सुझाव.....तब ठप्प हो जाएगी अर्थव्यवस्था

अर्थशास्त्री ने बताया भारत में नहीं लग सकता विरासत टैक्स

नई दिल्ली।

कांग्रेस नेता और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी और सैम पित्रोदा ने पिछले दिनों अमेरिका का हवाला देकर विरासत टैक्स की बात कही थी। राहुल और सैम के बयान पर पीएम नरेंद्र मोदी सहित पूरी भाजपा ही चुनावी माहौल में हमलावर है। इस बीच अर्थशास्त्री गौतम सेन का कहना है कि राहुल गांधी का संसाधनों के पुनर्वितरण का फॉर्मूला भारत में काम नहीं करेगा। उन्होंने कहा, यह भारत में काम नहीं करेगा। यहां बड़ी दौलत वाले बहुत कम लोग हैं। इसके बाद जो हैं भी, उन लोगों ने अपनी पूंजी को कारोबार में लगा रखा है। यदि उस पूंजी को सरकार अधिग्रहित करे या फिर 55 फीसदी तक का विरासत टैक्स वसूला जाए तब धंधा ही रुक जाएगा।

अर्थशास्त्री सेन ने कहा, ऐसी स्थिति में कारोबार ही ठहर जाएगा। आपको उनकी संपत्ति के लिए कारोबार ही खत्म कराना होगा। उन्होंने कहा कि मेरा पॉइंट है कि देश की 0.5 फीसदी आबादी से टैक्स वसूलने के लिए आप बड़े पैमाने पर कारोबारों को नुकसान पहुंचाएंगे और इससे उन गरीब लोगों को ही नुकसान होगा, जो उस पर निर्भर हैं। अर्थशास्त्री सेन ने कहा कि बीते 10 सालों में ग्रोथ हुई है, और संसाधनों का बेहतर बंटवारा किया है। उनका इशारा लोगों के गरीबी से ऊपर उठने पर था। दरअसल अमेरिका में सैम पित्रोदा ने कहा था कि यहां विरासत टैक्स लगता है। ऐसी चीज भारत में नहीं है, जिस पर चर्चा हो सकती है। इसपर गौतम सेन ने कहा, अमेरिका में कोई विरासत टैक्स नहीं है। वहां एस्टेट ड्यूटी लगती है और गिफ्ट टैक्स है। अमेरिका में 2022 तक मरने वाले लोगों में से मात्र 0.22 फीसदी के परिजनों ने इस टैक्स को अदा किया था। पूरे अमेरिका में सिर्फ 4000 लोगों पर एस्टेट ड्यूटी लगती है। इसका कारण यह है कि छूट की लिमिट इतनी ज्यादा है, कि कम ही लोग इसके दायरे में आते हैं। अर्थशास्त्री सेन ने कहा कि अमेरिका में भी अमीर लोगों ने अपनी ज्यादातर पूंजी ट्रस्ट्स में लगा रखी है। इस वजह से अमेरिका का उदाहरण भारत में देना गलत है।

प्रबंधन से नाराज एयर इंडिया के दो सौ पायलट घर बैठे

80 से अधिक उड़ानें करना पड़ीं रद्द

दिल्ली।

एयरलाइन के चालक दल के सदस्य बड़े पैमाने पर बीमारी का हवाला देकर छुट्टी पर चले गए हैं। ऐसे में ये उड़ाने रद्द की गईं हैं। नागरिक विमानन अधिकारी इस मुद्दे पर नजर बनाए हुए हैं। बता दें, टाटा समूह की इकाई एयर इंडिया एक्सप्रेस, एआईएक्स कनेक्ट (पूर्व में एयरएशिया इंडिया) का खुद में विलय करने की प्रक्रिया में है। इसी को लेकर, पिछले कुछ समय से इस एयरलाइन के चालक दल के सदस्यों में गुस्सा बना हुआ है।

एयरलाइन में कथित कुप्रबंधन के विरोध में चालक दल के 200 से अधिक सदस्यों ने बीमार होने का हवाला दिया है। चालक दल के सदस्यों की कमी के कारण मंगलवार रात से कम से कम 80 से अधिक उड़ानें रद्द करनी पड़ी हैं और कई उड़ानों में देरी हुई है। वहीं, कोच्चि, कालीकट व बंगलूरू समेत विभिन्न हवाई अड्डों पर उड़ानों में बाधा आ रही है। पिछले महीने एयर इंडिया एक्सप्रेस के चालक दल के एक समूह का प्रतिनिधित्व करने वाले एक कर्मचारी यूनियन ने एयरलाइन में कुप्रबंधन का आरोप लगाया था। इनका कहना था की कर्मचारियों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। यूनियन ने दावा किया था कि उनके पास लगभग 300 कर्मचारियों की यह शिकायतें आई हैं। मैनेजमेंट के बुरे बर्ताव से कर्मचारियों के मनोबल पर बुरा प्रभाव पड़ता है। कई यात्रियों ने बुधवार को सोशल मीडिया पर अचानक उड़ानें रद्द होने की शिकायत की। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक यात्री की ओर से की गई पोस्ट में माफी मांगी थी। एयरलाइन ने कहा, हमारी सर्विस रिकवरी प्रोसेस के तहत आप या तो अगले सात दिन में फ्लाइट को रीशेड्यूल करने का विकल्प चुन सकते हैं या हमारे चैट बॉट टिया के जरिए पैसे वापसी का अनुरोध कर सकते हैं। इस मामले में एयर इंडिया एक्सप्रेस के प्रवक्ता ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर सफाई दी है। उन्होंने कहा, हमारे चालक दल के सदस्यों के एक समूह ने कल रात अचानक बीमार होने की जानकारी दी, जिसके कारण उड़ानों में देरी हुई और उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। हालांकि, हम चालक दलों के ऐसा करने के पीछे की वजह जानने के लिए उनसे संपर्क कर रहे हैं। हमारी टीमें इस मुद्दे को सक्रिय रूप से देख रही हैं ताकि यात्रियों को होने वाली किसी भी असुविधा को कम किया जा सके। हम अचानक उड़ानें रद्द करने के लिए माफी मांगते हैं और इस बात पर जोर देते हैं कि यह स्थिति उस सेवा के मानक को नहीं दर्शाती है जिसे हम प्रदान करने का प्रयास करते हैं।प्रवक्ता ने आगे कहा, उड़ानों के रद्द होने से प्रभावित लोगों को किसी अन्य दिन में फ्लाइट को रीशेड्यूल करने का विकल्प चुन सकते हैं या हमारे चैट बॉट टिया के जरिए पैसे वापसी का अनुरोध कर सकते हैं।

संपादकीय

रांची में छापे

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने झारखंड के ग्रामीण विकास मंत्री के ओएसडी और नौकर के घर समेत दूसरे अन्य ठिकानों से जिस बड़े पैमाने पर नकदी बरामद की है, वह हैरानी से ज्यादा एक गहरी टीस पैदा करने वाली खबर है। एक लंबे जन-आंदोलन के बाद जब यह प्रदेश अस्तित्व में आया, तो बड़ी उम्मीदें थीं कि कुदरती संसाधनों से आबाद यह सूबा तेज तरक्की करेगा और अग्रणी राज्यों में शामिल होकर अपने गठन के औचित्य को सार्थक साबित करेगा। आदिवासियों के जीवन में आमूल-चूल सुधार का सपना देखा गया था, मगर विकास की रफ्तार के बजाय इस प्रदेश की चर्चा नकारात्मक वजहों से ही ज्यादा हुई। अव्वल तो जब से यह बना है, राजनीतिक अस्थिरता का शिकार रहा है। इसे बने हुए अभी बमुश्किल तेईस वर्ष हुए हैं और इस दौरान दस सरकारें बन चुकी हैं। राज्य के दो पूर्व मुख्यमंत्रियों को भ्रष्टाचार के आरोप में अपना पद छोड़ना पड़ा। पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा को तो एक मामले में तीन साल की सजा भी सुनाई जा चुकी है। उन पर हजारों करोड़ के कदाचार के अन्य मुकदमे भी चल रहे हैं। विडंबना देखिए, इस समय देश में आम चुनाव हो रहा है, झारखंड की 14 संसदीय सीटों पर 13 मई और 1 जून को वोट डाले जाएंगे, मगर सार्वजनिक विमर्श में भ्रष्टाचार का मुद्दा बहुत प्रभावी नहीं बन पा रहा। यकीनन, कुछ राजनेताओं ने इसको मुद्दा बनाने की कोशिश की है, मगर लोगों के जेहन में यह मसला कौंध नहीं रहा। आखिर ऐसा क्यों है? क्योंकि मौजूदा समय में शायद ही कोई राजनीतिक पार्टी है, जिसका दामन भ्रष्टाचार के आरोपों से पूरी तरह पाक-साफ हो! जिस समय ईडी झारखंड की इस बरामदगी के सिलसिले में अपने दावे कर रही थी, लगभग उसी वक्त दिल्ली की शराब नीति संबंधी कथित घोटाले में गिरफ्तार प्रदेश के मुख्यमंत्री की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई कर रहा था। फिर इलेक्टोरल बॉन्ड के खुलासे को कितने दिन बीते हैं? इसलिए भी शायद मतदाता इस विषय को लेकर उदासीन है। इस उदासीनता की एक वजह राजनेताओं के मुकदमों के निपटारे में देरी भी है। सीएसडीएस के सर्वे भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि भ्रष्टाचार वोटरों की चिंता में नीचे है। मगर यह उदासीनता और यह प्रवृत्ति झारखंड ही नहीं, समूचे देश के गरीबों व आम आदमी के लिए खतरनाक है। बताने की जरूरत नहीं कि भ्रष्टाचार की सबसे बड़ी कीमत उन्हें ही चुकानी पड़ती है। गौर कीजिए, देश के 36 राज्यों व केंद्र शासित क्षेत्रों की साक्षरता सूची में झारखंड 32वें नंबर पर है और नीति आयोग के मुताबिक, तीन सबसे अधिक गरीब आबादी वाले प्रदेशों में यह भी शामिल है। ऐसे में, भ्रष्टाचार से निपटने के लिए नागरिक जागरूकता की सबसे अधिक आवश्यकता है। यहां सवाल जांच एजेंसियों की दक्षता का भी है। प्रवर्तन निदेशालय अब तक कितने राजनेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले को आखिरी अंजाम तक पहुंचा सका है? सिर्फ सुर्खियां बटोरने और सनसनी पैदा करने से किसी एजेंसी की प्रतिष्ठा नहीं बनती। उसकी निष्पक्षता और प्रतिबद्धता लोगों की नजरों में अंतिम परिणाम से ही स्थापित होगी। ईडी को झारखंड के ताजा मामले की जांच तेजी से करनी चाहिए। एक गरीब प्रदेश के मंत्री के करीबियों के पास इतनी दौलत कहां से आई? इसकी जड़ तक पहुंचना बहुत जरूरी है। भ्रष्टाचार के प्रति बढ़ती उदासीनता को तोड़ने के लिए भी प्रभावी कार्रवाई की जानी चाहिए।

आज का राशिफल

मेष आर्थिक योजना सफल होगी। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा। खर्च की अधिकता रहेगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। विरोधियों का पराभव होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्वों की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। विरोधियों का पराभव होगा। धन लाभ की संभावना है।

कर्क पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण के योग हैं। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होने की संभावना है। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। पराक्रम में वृद्धि होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। विरोधी परास्त होंगे।

तुला बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

वृश्चिक आर्थिक योजना सफल होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मकर राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। नए अनुबंधन प्राप्त होंगे।

कुम्भ संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार से मिलाप होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की पीड़ा मिल सकती है।

मीन व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के कारण तनाव हो सकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिलावट का कहर, स्वास्थ्य के लिये जहर

(लेखक - ललित गर्ग)

भारतीय मसालों की गुणवत्ता की साख जब दुनिया में धुंधली हुई है, मिलावटी मसालों पर देश से दुनिया तक बहस छिड़ी हुई है, तब दिल्ली में मिलावट के एक बड़े मामले का पर्दापाश होना न केवल चिंताजनक है बल्कि दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर भारत के लिये शर्मनाक है। भारत में मिलावट का मामला मसालों तक ही सीमित नहीं है। मिलावटखोरों ने दवाइयों, तेल, घी, दूध, मिठाइयों से लेकर अनाज तक किसी चीज को नहीं छोड़ा है। हर साल त्योहारों पर देशभर से मिलावटी मावा और मिलावटी मिठाइयों की खबरे आती हैं। प्रश्न है कि आखिर मिलावट का बाजार इतना धडल्ले से क्यों पनप रहा है, क्यों सिस्टम लाचार है, मिलावटखोरी का अंत क्यों नहीं हो पा रहा है? लोकसभा चुनाव के दौरान मिलावट की त्रासद एवं जानलेवा घटनाओं का उजागर होना, क्यों नहीं चुनावी मुद्दा बनता? कह तो सभी यही रहे हैं--बाकी सब झूठ है, सच केवल रोटी है। लेकिन इस बड़े सच रोटी यानी पेट भरने की खाद्य-सामग्री को मिलावट के कारण दूषित एवं जानलेवा कर दिया गया है। देश में खाद्य पदार्थों में मिलावट मुनाफाखोरी का सबसे आसान जरिया बन गई है। खाने-पीने की चीजें बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं हैं। किसी भी वस्तु की शुद्धता के विषय में हमारे संदेह एवं शंकाएं बहुत गहरा गयी हैं। मिलावट का धंधा शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक भी फैला हुआ है और इसकी जड़ें काफी मजबूत हो चुकी हैं। जीवन कितना विषम और विषभरा बन गया है कि सभी कुछ मिलावटी है। सब नकली, धोखा, गोलमाल ऊपर से सरकार एवं संबंधित विभाग कुंभकरणी निद्रा में है। मिलावटी खाद्य पदार्थ धीमे जहर की तरह हैं। ये दिल और दिमाग से जुड़ी बीमारियों, अल्सर, कैंसर वगैरह की वजह बन सकते हैं। खाने वालों को आभास भी नहीं होता कि वे धीरे-धीरे किसी गंभीर बीमारी की ओर जा रहे हैं। वे किसी पर भरोसा कर कुछ खरीदते हैं और मिलावटखोर तमाम कानून बने होने एवं प्रशासन की सक्रियता के बावजूद इस भरोसे को तोड़ रहे हैं। उनकी वजह से दूसरे देशों का भी भरोसा भारतीय उत्पादों पर कम होने की स्थितियां बनती जा रही है। कुछ दिनों पहले ही हांगकांग और सिंगापुर ने लिमिट से ज्यादा पेस्टिसाइड का आरोप लगाकर दो भारतीय ब्रैंड के कुछ मसालों को बैन किया था। अगर ऐसा हुआ तो इनके निर्यात से करोड़ों डॉलर की आमदनी पर आंच आएगी।

मिलावट करने वालों को न तो कानून का भय है और न आम आदमी की जान की परवाह है। दुखद एवं विडम्बनापूर्ण तो ये स्थितियां हैं जिनमें खाद्य वस्तुओं में मिलावट धडल्ले से हो रही है और सरकारी एजेन्सियां इसके लाइसैंस भी आंख मूंदकर बांट रही है। जिन सरकारी विभागों पर खाद्य पदार्थों की क्वॉलिटी बनाए रखने की जिम्मेदारी है वे किस तरह से लापरवाही बरत रही है, इसका परिणाम आये दिन होने वाले फूड प्वाइजनिंग की घटनाओं से देखने को मिल रहे हैं। मिलावट के बहुरुपिया रावणों ने खाद्य बाजार जकड़ रखा है। मिलावट का कारोबार अगर फल-फूल रहा है, तो जाहिर है कि इसके खिलाफ जंग उस पैमाने पर नहीं हो रही है, जैसी होनी चाहिए। इस मामले में भारत अपने पड़ोसी देश बांग्लादेश से कुछ सबक ले सकता है, जिसने हल्दी में लेड की मिलावट पर काबू पा लिया। मिलावटखोर हल्दी की चमक बढ़ाने के लिए लेड का इस्तेमाल करते हैं और यह समस्या पूरे दक्षिण एशिया की है। मिलावट सबसे बड़ा खतरा है। मारने वाला कितनों को मारेगा? एक आतंकवादी स्वचालित हथियार से या बम ब्लास्ट कर अधिक से अधिक सौ दो सौ को मार देता है। लेकिन खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वाला हिंसक एवं दरिंदा तो न जाने कितनों को मृत्यु की नींद सुलाता है, कितनों को अपंग और अपाहिज बनाता है। इन हिंसक, क्रूर एवं मुलाफाखोरों पर लगाम न लगने की एक वजह यह भी है कि ऐसा करने वालों को लगता है, इससे होने वाले मुनाफे की तुलना में मिलने वाली सजा बहुत कम है। जाहिर है, सजा कड़ी करने के साथ ही यह भी पक्का करना होगा कि दोषी किसी तरह से बच न निकलें। यही नहीं, लोगों को पता होना चाहिए कि मिलावट की शिकायत कहां करनी है। हमारे प्रयासों में कमी न रहे, तभी यह काला धंधा रुक सकेगा।कारोबार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण मिलावट हर जगह देखने को मिलती है। कहीं दूध में पानी की मिलावट होती है, तो कहीं मसालों में रंगों की। दूध, चाय, चीनी, दाल, अनाज, हल्दी, फल, आटा, तेल, घी आदि ऐसी तमाम तरह की घरेलू उपयोग की वस्तुओं में मिलावट की जा रही है। यानी, पूरे पैसे खर्च करके भी हमें शुद्ध खाने का सामान नहीं मिल पाता है। मिलावट इतनी सफाई से होती है कि असली खाद्य पदार्थ और मिलावटी खाद्य पदार्थ में फर्क करना मुश्किल हो जाता है। जीवन मूल्यहीन और दिशाहीन हो रहा है। हमारी सोच जड़ हो रही है। मिलावट, अनैतिकता और अविश्वास के चक्रव्यूह में जीवन मानो कैद हो गया है। घी के नाम पर चर्बी, मक्खन की जगह मार्गरीन, आटे में सेलखड़ी का पाउडर, हल्दी में पीली मिट्टी, काली मिर्च में पपीते के बीज, कटी हुई सुपारी में कटे हुए छुहारे की गुठलियां मिलाकर बेची जा रही हैं। दूध में मिलावट का कोई अंत नहीं। नकली मावा बिकना तो आम बात है। राजस्थान और गुजरात में चल रहा नकली जीरे का कारोबार अब दिल्ली एवं देश के अन्य हिस्सो तक पहुंच गया है। दिल्ली में पहली बार पकड़ी गई नकली जीरे की खेप ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। भारत के लोगों को न शुद्ध हवा मिल रही है और न शुद्ध पानी और न ही शुद्ध खाने का निवाला, कैसी अराजक शासन व्यवस्था है?

मिलावट के कारण हम एक बीमार समाज का निर्माण कर रहे हैं। शरीर से रुग्ण, जीर्ण-शीर्ण मनुष्य क्या सोच सकता है और क्या कर सकता है? क्या मिलावटखोर परोक्ष रूप से जनजीवन की सामूहिक हत्या का षड्यंत्र नहीं कर रहे? हत्यारों की तरह उन्हें भी अपराधी मानकर दंड देना अनिवार्य होना चाहिए। मिलावट एक ऐसा खलनायक है, हत्यारी प्रवृत्ति है, जिसकी अनदेखी जानलेवा साबित हो रही है। चाहे प्रचलित खाद्य सामग्रियों की निम्न गुणवत्ता या उनके जहरीले होने का मततब इंसानों की मौत भले ही हो, पर कुछ व्यापारियों एवं सरकारी अधिकारियों के लिए शायद यह अपनी थैली भर लेने का एक मौका भर है। त्यौहारों पर मिलावटी मिठाइयां खाने से अपच, उलटी, दस्त, सिरदर्द, कमजोरी और बेचैनी की शिकायते सुनने में आती रही है। इससे किडनी पर बुरा असर पड़ता है। पेट और खाने की नली में कैंसर की आशंका भी रहती है।

खाद्य उत्पाद विनियामक भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने 2006 के खाद्य सुरक्षा और मानक कानून में कड़े प्रावधान की सिफारिश की थी। कानून को सिंगापुर के सेल्स आफ फूड एक्ट कानून की तर्ज पर बनाया गया जो मिलावट को गम्भीर अपराध मानता है। फूड इंस्पैक्टरों का दायित्व है कि वह बाजार में समय-समय पर सैम्पल एकत्रित कर जांच करवाएं लेकिन जब सबकी 'मंथली इन्कम' तय हो तो फिर जांच कौन करे? हालत यह है कि बाजारों में धूल-धक्कड़ के बीच घोर अस्वास्थ्यकर माहौल में खाद्य सामग्रियां बेची जा रही है। सीएजी ऑडिट के दौरान जो तथ्य उजागर हुए हैं, वे भ्रष्टाचार को तो सामने लाते ही है साथ-ही-साथ प्रशासनिक लापरवाही को भी प्रस्तुत करते हैं। देश में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता बनाए रखने का काम करने वाली सरकारी एजेन्सी की दशा कितनी दयनीय है और वहां कितनी लापरवाही बरती जा रही है, सहज अनुमान लगाया जा सकता है। हमें सोचना चाहिए कि शुद्ध खाद्य पदार्थ हासिल करना हमारा मौलिक हक है और यह सरकार का फर्ज है कि वह इसे उपलब्ध कराने में बरती जा रही कोताही को सख्ती से ले।

वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

(9 मई जयन्ती पर विशेष)

भारतीय इतिहास में राजपूताने का गौरवपूर्ण स्थान रहा है। यहां के रण बांकुरों ने देश, जाति, धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने में संकोच नहीं किया। वीरों की इस भूमि में राजपूतों के छोटे बड़े अनेक राज्य रहे है, जिन्होंने भारत की स्वाधीनता के लिए संघर्ष किया। इन्हीं राज्यों में मेवाड़ का अपना अलग ही स्थान है। जिसमें महाराणा प्रताप जैसे महान वीर ने जन्म लिया था। मेवाड़ के राजा महाराणा प्रताप अपने पराक्रम और शौर्य के लिए पूरी दुनिया में मिसाल के तौर पर जाने जाते हैं। एक ऐसे राजपूत राजा जो जीवन पर्यन्त मुगलों से लड़ते रहे, जिसने जंगलों में रहना पसंद किया, लेकिन कभी विदेशी मुगलों की गुलामी स्वीकार नहीं की थी। उन्होंने देश, धर्म और स्वाधीनता के लिए सब कुछ न्योछावर कर दिया था। महाराणा प्रताप का जन्म 9 मई 1540 को राजस्थान के कुम्भलगढ़ में सिसोदिया कुल में हुआ था। उनके पिता का नाम महाराणा उदयसिंह द्वितीय और माता का नाम रानी जीवंत कंवर था। महाराणा प्रताप अपने पच्चीस भाइयो में सबसे बड़े थे। इसलिए उनको मेवाड़ का उत्तराधिकारी बनाया गया। महाराणा प्रताप के समय में दिल्ली पर अकबर का शासन था और अकबर की निती हिन्दू राजाओ की शक्ति का उपयोग कर दूसरे हिन्दू राजा को अपने नियन्त्रण में लेने की था। 1567 में जब राजकुमार प्रताप को उत्तराधिकारी बनाया गया उस वक्त उनकी उम्र केवल 27 वर्ष थी। उस वक्त मुगल सेना ने चितौड़गढ़ को चारो और से घेर लिया था। तब महाराणा उदयसिंह मुगलों से लडने के बजाय चितौड़गढ़ छोडकर परिवार सहित गोगुन्दा चले गये। महाराणा प्रतापसिंह फिर से चितौड़गढ़ जाकर मुगलों से सामना करना चाहते थे। लेकिन उनके परिवार ने चितौड़गढ़ जाने से मना कर दिया।

गोगुन्दा में रहते हुए महाराणा उदयसिंह और उसके विश्वासपात्रो ने मेवाड़ की अस्थायी सरकार बना ली थी। 1572 में महाराणा उदय सिंह अपने पुत्र प्रताप को महाराणा का खिताब दिया। उसके बाद उनकी मृत्यु हो गयी। वैसे महाराणा उदय सिंह अपने अंतिम समय में अपनी प्रिय रानी भटियानी के पुत्र जगमाल सिंह को राजगद्दी पर बिठाना चाहते थे। प्रताप ने अपने पिता की अंतिम इच्छा के अनुसार उसके सौतेले भाई जगमाल को राजा बनाने का निश्चय किया। लेकिन मेवाड़ के विश्वासपात्र चुंडावत राजपूतो ने जगमाल सिंह को राजगद्दी छोडने को बाध्य कर दिया। तब जगमाल सिंह ने बदला लेने के लिए अजमेर जाकर अकबर की सेना में शामिल हो गया और उसके बदले में उसको जहाजपुर की जागीर मिल गयी। इस दौरान राजकुमार प्रताप को मेवाड़ के 54 वे शासक के साथ महाराणा का खिताब मिला। 1572 में प्रताप सिंह मेवाड़ के महाराणा बन गये थे। लेकिन वो पिछले पांच सालो में चितौड़गढ़ नहीं गये थे। महाराणा प्रताप को अपने पिता के चितौड़गढ़ को पुनः देख बिना मौत हो जाने का बहुत अफसोस था। अकबर ने चितौड़गढ़ पर तो कब्जा कर लिया था। लेकिन मेवाड़ का राज अभी भी उससे बहुत दूर था। अकबर ने कई बार अपने दूतो को महाराणा प्रताप से संधि करने के लिए भेजा। लेकिन महाराणा प्रताप ने संधि प्रस्तावों को ठुकरा दिया। 1573 में संधि प्रस्तावों को ठुकराने के बाद अकबर ने मेवाड़ का बाहरी राज्यों से सम्पर्क तोड़ दिया और मेवाड़ के सहयोगी दलों को अलग थलग कर दिया। महाराणा प्रताप ने मुगलों से सामना करने के लिए अपनी सेना को अरावली की पहाडियों में भेज दिया। महाराणा युद्ध उस पहाड़ी इलाके में लड़ना चाहते थे जहां मेवाड़ की सेना थी। क्योंकि मुगल सेना को पहाड़ी ईलाके में युद्ध लड़ने का बिलकुल भी अनुभव नही था। पहाडियों पर रहने वाले भील भी राणा प्रताप की सेना के साथ हो गये। महाराणा प्रताप खुद जंगलो में रहने लगे ताकि वो जान सके कि स्वंत्रतता और अधिकारों को पाने के लिए कितना दर्द सहना पड़ता है। उन्होंने पत्तल पर भोजन किया, जमीन पर सोये और दाढी नही बनाई। दरिद्रता के दौर में वो कच्ची झोपडियो में रहते थे जो मिटटी और बांस की बनी होती थी।

18 जून 1576 को महाराण प्रताप के 20 हजार और मुगल सेना के 80 हजार सैनिको के बीच हल्दीघाटी का युद्ध शुरू हो गया। उस समय मुगल सेना की कमान अकबर के सेनापति मान सिंह ने संभाली थी। महाराणा प्रताप की सेना मुगलों की सेना को खदेड़ रही थी। महाराणा प्रताप की सेना में झालामान, डोडिया भील ,रामदास राठोड़ और हाकिम खा सूर जैसे शूरवीर थे। मुगलों के पास तोंपे और विशाल सेना थी। लेकिन प्रताप की सेना के पास केवल हिम्मत और साहसी जांबाजो की सेना के अलावा कुछ भी नही था। महाराणा प्रताप के बारे में कहा जाता है कि उनके भाले का वजन 80 किलो और कवच का वजन 72 किलो हुआ करता था। इस तरह वह भाला, कवच, ढाल और तलवारों को मिलाकर कुल 200 किलो का वजन साथ लेकर युद्ध करते थे। इतिहासकार कर्नल टॉड ने हल्दी घाटी के युद्ध को मेवाड़ की थर्मोपल्ली की संज्ञा दी है। इस युद्ध में महाराणा प्रताप का स्वामी भक्त एवं प्रिय घोड़ा चेतक मारा गया। हल्दी घाटी के युद्ध में पराजय के बावजूद महाराणा प्रताप के यश और कीर्ति में कोई कमी नहीं आई। बल्कि हल्दी घाटी को इस युद्ध ने समूचे भारत के स्वाधीनता प्रेमियों के लिए पूजनीय क्षेत्र बना दिया। वहीं इस युद्ध ने महाराणा प्रताप को जननायक के रूप में सम्पूर्ण भारत में प्रसिद्ध कर दिया। हल्दी घाटी के युद्ध के बाद महाराणा प्रताप के जीवन में जिस संकट काल का प्रारंभ हुआ वह लगभग दस वर्ष (1576-1586) तक चला और बीतते समय के साथ वह अधिक विषम होता चला गया। इस दौरान गोगुन्दा से दक्षिण में स्थित राजा गांव में महाराणा के परिवार को घास की रोटी भी नसीब नहीं हुई और एक बार वन विलाव उनके भूखे बच्चों के हाथ से घास की रोटी भी छीन कर ले गया था। इस संकट के समय में महाराणा प्रताप के मंत्री भामाशाह और उनके भाई ताराचंद ने 25 लाख रूपए तथा 20 हजार स्वर्ण मुद्राएं उनकों भेंट कर अपनी स्वामी भक्ति का परिचय दिया। इस धन से उन्होंने पुनः सेना जुटाकर दिवेर को जीत लिया और चांवड पंहुचकर अपना सुरिक्षत मुकाम बनाया। मेवाड़ के बचे हुये भू भाग पर फिर से महाराणा का ध्वज लहराने लगा। बांसवाडा और डूंगरपुर के शासकों को भी पराजित कर प्रताप ने अपने अधीन कर लिया। अकबर के आक्रमक अभियानों की समाप्ति के बाद मेवाड़ में नए युग का सूत्रपात हुआ। महाराणा प्रताप ने एक वर्ष में ही चितौड़गढ़ और जहाजपुर को छोडकर सम्पूर्ण मेवाड़ पर सत्ता कायम कर ली। उन्होंने चांवड को अपनी राजधानी बनाकर राज्य में शांति व्यवस्था कायम की। महाराणा प्रताप कुशल शासक होने के साथ-साथ पीडितों और विद्वानों का आदर भी करते थे। उनकी प्रेरणा से ही मथुरा के चक्रपाणी मिश्र ने विश्व वल्लभ नामक स्थापत्य तथा मुहूर्त माला नामक ज्योतिष ग्रंथ की रचना की। चांवड मे चावंड माता के मंदिर का निर्माण भी महाराणा प्रताप ने ही करवाया था।

विचार मंथन

बचत घटी, घरेलू कर्ज बढा, ब्रांडेड सामान की बिक्री गांवों में बढी

(लेखक- सनत जैन)

केंद्रीय सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा रिपोर्ट जारी की गई है। उसमें बताया गया है, जीडीपी में बचत का हिस्सा 50 सालों में सबसे कम रहा है। 2011 से 2022 के बीच बचत घटती जा रही है। वहीं प्रति व्यक्ति जीडीपी आय मैं 140 फ़ीसदी की वृद्धि हुई है। पिछले 5 वर्षों में लोगों की बचत सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। बचत में शेयर मार्केट, बैंक के बचत खाते, एफडी, शेयर मार्केट, सोना, म्युचुअल फंड इत्यादि को भी शामिल किया गया है। 2022 के वित्तीय वर्ष में 17.1 लाख करोड रुपए की बचत थी। जो 2022-23 में घटकर 14.02 लाख करोड रुपए रह गई है। सकल जीडीपी में बचत का हिस्सा केवल 5.3 फ़ीसदी बचा है। जो पिछले 50 वर्षों में सबसे कम है। लोगों के खर्च बढ़ रहे हैं, लेकिन बचत कम होती जा रही है। रिपोर्ट में कर्ज आसानी से मिलने के कारण सामाजिक मानसिकता में यह परिवर्तन देखने को मिल रहा है। साल भर में लोगों का घरेलू कर्ज 54 फ़ीसदी बढ़ गया है। 2021-22 में घरेलू खर्च 7.69 लाख करोड रुपए था। जो 2022-23 में बढ़कर 11.88 लाख करोड रुपए हो गया है। पिछले वर्ष की तुलना में 54 फ़ीसदी घरेलू कर्ज बढा है। बैंकों से क्रेडिट कार्ड से और गैर बैंकिंग कंपनियों से यह कर्ज लिया गया है। 2012 के बाद से लोगों पर घरेलू कर्ज लगातार बढ़ता जा रहा है। ग्रामीण बाजारों में ब्रांडेड सामान की बिक्री लगातार बढ़ रही है। ग्रामीण अंचल अब शहरी क्षेत्र को मात देते हुए देख रहे हैं। जनवरी 24 से मार्च 24 की तिमाही में ग्रामीण क्षेत्र की मांग 7.6 फ़ीसदी बढ़ गई है। वहीं शहरी क्षेत्र में 5.7 फ़ीसदी मांग घट गई है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में ब्रांडेड वस्तुओं को लेकर यह परिवर्तन सभी को आश्चर्यचकित कर रहा है। सरकार के केंद्रीय सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा जो रिपोर्ट जारी की गई है। वह बड़ी चिंता जनक है। बचत 50 वर्षों में सबसे कम हो गई है इसका मतलब है कि अब भारतीय नागरिक अपनी हर जरूरत के लिए कर्ज और सरकार के ऊपर निर्भर होते चले जा रहे हैं। ग्रामीण अंचलों की सामाजिक व्यवस्था और भौतिक संसाधनों के प्रति जो आकर्षण बढ़ रहा है। उसके कारण ग्रामीण अंचल जो अभी तक कर्ज के बहुत ज्यादा दबाव में नहीं थे ग्रामीण अंचलों के परिवार भी अब कर्ज के बोझ से दबते चले जा रहे हैं। पिछले 10 वर्षों से केंद्र में मोदी सरकार है। कर्ज लेकर खर्च की प्रवृत्ति को बढ़ाने का काम किया गया है। इसका असर जीडीपी और कर वसूली के लिए सरकार के लिए उपयुक्त माना जा सकता है। लेकिन जिस तरह से आम आदमी कर्ज के बोझ से दबता चला जा रहा है। महंगाई बढ़ती चली जा रही है। आय की तुलना में खर्च ज्यादा हो रहा है। ऐसी स्थिति में कर्ज की भी एक सीमा है। पिछले वर्षों में कर्ज के कारण डिफाल्टर होने वाले लोगों की संख्या बड़ी तेजी के साथ बढ़ती चली जा रही है। कर्ज नहीं चुका पाने के कारण, आत्महत्या जैसी घटनाएं बढ़ रही हैं। इसका असर अपराधों पर भी पड़ रहा है। जीडीपी में आर्थिक विकास होने के बाद भी इसका लाभ आम आदमी तक नहीं पहुंच रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य एवं खाने-पीने की वस्तुयें महंगी हो रही हैं। जिसके कारण भारत में असमानता बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। आने वाले समय में निम्न और मध्यम वर्ग के लिए यह एक खतरे की घंटी है। वहीं सरकार के लिए भी इसे खतरे की घंटी माना जा सकता है। जब एक बड़ी आबादी सरकार के ऊपर निर्भर होगी, तो इसका असर राजनीति और सरकारों के अस्तित्व पर भी पडना तय माना जा रहा है। कर्ज लेकर घी पीने की प्रवृत्ति आम नागरिकों के साथ-साथ सरकार के बीच की एक प्रवृत्ति बन गई है। एक स्तर तक कर्ज लेने को जायज ठहराया जा सकता है। लेकिन जब इसे चुका नहीं पाते हैं, तो इसका ठीक उलटा असर होता है। इसका असर अभी दिखना शुरू हो गया है। आने वाले सालों में यह निम्न एवं मध्यम वर्ग के साथ-साथ सरकार के लिए भी कर्ज एक मुसीबत बनने जा रहा है। इस तथ्य को भी ध्यान में रखने की जरूरत है।

आमदनी अठन्नी और खर्चा रुपैया बचत के आधार पर किया जा सकता है कर्ज के आधार पर नहीं। कर्ज लेने पर ब्याज का बोझ भी बढ़ता है।

किस्त और ब्याज की तुलना में यदि आय नहीं बढ़ती है, तो वह आम नागरिकों के जन-जीवन को बुरी तरह से प्रभावित करते हैं। इस ओर सरकार को ध्यान देने की जरूरत है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फॉक्सवैगन ने किया समर कार केयर कैंप का ऐलान

मुंबई । फॉक्सवैगन ने भारत में समर कार केयर कैंप का ऐलान किया है, जो मुई महीने कंपनी के 142 सर्विस सेंटर पर आयोजित किया जाएगा। कैंप के तहत ग्राहक प्रशिक्षित पेशेवरों द्वारा किए गए कॉम्प्लिमेंटरी 40-पॉइंट वाहन चेकिंग का लाभ उठा सकते हैं। गर्मी के मौसम में ड्राइविंग के दौरान गाड़ियों में आने वाली समस्याओं का पता लगाया जा सकेगा। कंपनी ने अपनी वेबसाइट पर नई क्रिक सीजनल कार केयर गाइडलाइन भी जारी की है। कंपनी वैल्यू ऐडड सर्विसेज के तौर पर समर कार केयर कैंप में आकर्षक फायदे भी दे रही है, जिससे स्वामित्व अधिक किफायती और सुविधाजनक हो गया है। कंपनी ने विस्तारित वारंटी पैकेज की कीमतों में भी बदलाव किया है, जो 1 मई से लागू हैं। इसके अलावा कई आकर्षक सर्विस और कार देखभाल पैकेजों के साथ सर्विस कैम, असिस्टेंस के माध्यम से डोरस्टेप सर्विस और मोबाइल सर्विस यूनिट जैसी सुविधाओं की पेशकश करती है।

महिंद्रा एक्सयूवी 400 के नए वेरिएंट लांच करेगी कंपनी

मुंबई । महिंद्रा एक्सयूवी 400 को जल्द ही नए वेरिएंट में लांच कर सकती है। सूत्रों के अनुसार इस आठ वेरिएंट्स में पेश किया जाएगा। वर्तमान में बड़े बैटरी पैक के साथ ईसी प्रो, ईएल प्रो में पेश किया गया है। इसके अलावा कंपनी एक्सयूवी 3 एक्सओके लिए एक नया ईवी पावरट्रेन पेश करने वाली है। महिंद्रा एक्सयूवी 400 वर्तमान में 15.49 लाख रुपये से 17.49 लाख रुपये की कीमत पर अवेलेबल है। इसके विपरीत, महिंद्रा ने कहा था कि 31 मई, 2024 के बाद एक्सयूवी 400 की कीमत में मामूली बढ़ोतरी होगी।

मारुति सुजुकी इस हफ्ते न्यू जेनरेशन मॉडल की नई स्विफ्ट करेगी लॉन्च

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी अपनी टॉप सेलिंग हैचबैक स्विफ्ट के न्यू जेनरेशन मॉडल को लॉन्च करने जा रही है। लॉन्च से पहले 2024 मॉडल स्विफ्ट की जानकारियां सामने आ गई हैं। यह हैचबैक अपनी फोर्थ जेनरेशन अवतार में काफी खास लुक-डिजाइन और फीचर्स के साथ आ रही है। इसके साथ ही इंजन-पावर और माइलेज में भी नई स्विफ्ट अपने पुराने मॉडल के मुकाबले अलग ही है। 2024 मारुति सुजुकी स्विफ्ट एलएक्सआई, वीएक्सआई, वीएक्सआई (ओ), जेडएक्सआई और जेडएक्सआई+ जैसे 5 ट्रिम लेवल के 10 से ज्यादा वेरिएंट में लॉन्च हो सकते हैं, जिनमें सीएनजी भी लगे होंगे। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो नई स्विफ्ट में नोवेल ऑरेंज और लस्टर ब्लू जैसे कलर मिलेंगे। बाद में इसमें मौजूदा मॉडल वाले सिंगल टोन और डुअल टोन कलर ऑप्शन तो होंगे। नई मारुति सुजुकी स्विफ्ट का लुक और डिजाइन काफी जबरदस्त होगा। इस हैचबैक के न्यू जेनरेशन मॉडल में नई फ्रंट हेडलाइट, नए डीआरएल और फॉगलैंप, रीडिजाइन्ड बंपर, बेहतर डिजाइन वाली अलॉय व्हील, रियर में नया टेललैंप समेत बाहरी खूबियां भी दिखने लायक होंगी। कंपनी नई स्विफ्ट को स्पोर्टी लुक और डिजाइन के साथ पेश करेगी। बीते 19 साल से भारतीय बाजार में जलवा बिखेरने वाली स्विफ्ट अब नए अवतार में बदली-बदली नजर आएगी। न्यू जेनरेशन मारुति सुजुकी के एक्सटीरियर की तरह ही इंटीरियर में बदलाव किया है। वैसे इंटीरियर और फीचर्स के बारे में पुख्ता डिटेल तो 9 मई को पता चल सकेगी, लेकिन खबर हैं कि 2024 स्विफ्ट का इंटीरियर कंपनी की क्रॉसओवर फॉन्क्स से इंस्पायर्ड होगा। बेहतरीन इंटीरियर से लैस इस हैचबैक के फीचर्स भी कमाल के होंगे। इसमें 9 इंच का स्मार्ट प्ले प्रो प्लस टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, वायरलेस चार्जर, रियर में भी एसी वेंट, सुजुकी की कनेक्टेड कार टेक्नॉलजी, कई तरह के यूएसबी चार्जिंग पोर्ट्स जैसे स्टैंडर्ड फीचर्स के साथ 6 एयरबैग समेत काफी सारे सेफ्टी फीचर्स इसमें शामिल किए गए हैं। नई मारुति सुजुकी स्विफ्ट में ऑल न्यू 1.0 लीटर 3 सिलिंडर जी-सीरीज पेट्रोल इंजन लगा है, जो कि माइल्ड हाइब्रिड टेक्नॉलजी से लैस होगा और यह करंट मॉडल में मौजूद 4 सिलिंडर के-सीरीज इंजन को रिप्लेस करेगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक नई स्विफ्ट का नया इंजन 81.6 पीएस की मैक्सिमम पावर और 112 न्यूटन मीटर का पिक टॉर्क जेनरेट करने में सक्षम होगा।

सोने और चांदी की कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतें बढ़ी हैं। दोनों के वायदा भाव आज बढ़त के साथ खुले। आज सुबह सोने के वायदा भाव 71,200 रुपये के करीब जबकि चांदी के वायदा भाव 82,950 रुपये के करीब रहे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी की वायदा कीमतों में कमी आई। इस दौरान मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून अनुबंध 15 रुपये की तेजी के साथ 71,163 रुपये के भाव पर खुला। वहीं एक समय यह अनुबंध 26 रुपये की तेजी के साथ ही 71,174 रुपये के भाव पर बना हुआ था। इसके बाद ये 71,189 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 71,163 रुपये के भाव पर निचले स्तर पर पहुंचा। सोने के वायदा भाव पिछले माह 73,958 रुपये के शीर्ष स्तर पर पहुंचे। इसके अलावा चांदी के वायदा भाव की आज सपाट शुरूआत हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई अनुबंध आज 82,878 रुपये पर खुला। एक समय यह अनुबंध 72 रुपये की तेजी के साथ ही 82,950 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय ये 82,989 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 82,870 रुपये के भाव पर निचले स्तर पर पहुंचा। गत माह चांदी का वायदा भाव 86,126 रुपये किलो के उच्चतम स्तर पर पहुंचा था। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने

चांदी के वायदा भाव की शुरुआत आज कमजोर रही। कामेक्स पर सोना 2,323 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका गत दिवस बंद भाव 2,324.20 डॉलर था। वहीं इसी प्रकार चांदी के वायदा भाव 27.47 डॉलर के भाव पर खुले। इसका पिछला बंद भाव 27.54 डॉलर था।

आरईसी 6 हजार करोड़ जुटाने करेगा दो अलग-अलग बॉन्ड जारी

मुंबई।

रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (आरईसी) परिपक्वता अवधि वाले दो बॉन्डों के माध्यम से 6 हजार करोड़ रुपए तक जुटाने की योजना बना रही है। पहले बॉन्ड में कंपनी की योजना 3,500 करोड़ रुपए जुटाना है, जिसमें 2,500 करोड़ रुपए तक के अतिरिक्त आवेदन को मंजूर करने विकल्प शामिल है और यह दस साल 17 दिन बाद 31 मई 2034 को परिपक्व होगा। उसकी योजना 6.90 फीसदी वाले 31 मार्च, 2031 के बॉन्ड को दोबारा जारी कर अतिरिक्त 3,500 करोड़ रुपए जुटाने की है। कंपनी ने इसके लिए आगामी शुक्रवार को बोलियां आमंत्रित की हैं। एनसीडी को इक्रा व क्रिसिल ने स्थिर परिदृश्य के साथ सबसे ऊंची क्रेडिट रेटिंग एएए दी गई है। कंपनी ने भुगतान करने की तारीख 14 मई तय की है जब निवेशकों को बॉन्ड के बदले इश्यू करने वाले को पैसा देना होगा। गोपीनाथन, अभिलाषा एनएसई के निदेशक नैशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने टीसीएस के पूर्व एमडी व सीईओ राजेश गोपीनाथन और न्यायमूर्ति अभिलाषा कुमारी को अपने निदेशक मंडल में जनहित निदेशक (पीआईडी) के तौर पर शामिल किया है। अभिलाषा कुमारी मणिपुर हाईकोर्ट की अवकाशप्राप्त चीफ जस्टिस हैं। दोनों नियुक्तियां तीन साल के लिए की है। बाजार नियामक ने अप्रैल के आखिर में इन नियुक्तियों को मंजूरी दी थी। इन नियुक्तियों के बाद एक्सचेंज के बोर्ड में छह सदस्य हो गए हैं, जिनमें चार पीआईडी और एक गैर-स्वतंत्र निदेशक शामिल हैं।

शेयर बाजार में मिलाजुला कारोबार

सेंसेक्स में गिरावट , निफ्टी सपाट बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को मिश्रित कारोबार हुआ। बीएसई सेंसेक्स में हल्की गिरावट रही। वहीं एनएसई निफ्टी में सपाट कारोबार हुआ। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बीच ही निवेशकों ने भी सावधानी बरती। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 45.46 अंक करीब 0.06 फीसदी की गिरावट के साथ 73,466.39 अंक पर बंद हुआ। वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (के निफ्टी में कोई भी बदलाव नहीं आया। निफ्टी दिन के अंत में 22,302.50 अंक पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस मुनाफावसूली से बाजार नीचे आया था। निवेशकों ने विभिन्न सेक्टरों में शेयर बेचे। बीएसई सेंसेक्स इंट्राडे में 611 अंक ऊपर आने के बाद 45 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ। वहीं व्यापक बाजारों में, बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों ने अच्छा प्रदर्शन किया, क्योंकि वे क्रमशः 0.78 फीसदी और 0.5 फीसदी ऊपर आये।

शेयरों का मूल्यांकन ऊंचा होने को लेकर चिंता के बीच एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईसीआईसीआई बैंक में बिकवाली से भी बाजार टूटा था। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला। आज सुबह तीस शेयरों पर अधारित बीएसई सेंसेक्स 0.47 फीसदी करीब 347 अंक नीचे आकर 73,164.16 पर

खुला। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50 0.47 अंक तकरीबन 104 अंक नीचे आकर 22,198.10 के स्तर पर खुला। कारोबार के दौरान बीएसई पर मारुति सुजुकी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एलएंडटी और एशियन पेंट्स के शेयरों में सबसे अधिक तेजी रही। इसी प्रकार एनएसई में मारुति सुजुकी, कोल इंडिया के शेयर लाभ में रहे जबकि डॉ. रेड्डी, ग्रासिम के शेयर सबसे अधिक गिरे।

वहीं व्यापक बाजारों में निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप 0.33 फीसदी और 0.21 फीसदी नीचे आये। आज निफ्टी रियल्टी में सबसे ज्यादा 1.38 फीसदी की गिरावट रही। इसके बाद कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में 1.19 फीसदी की गिरावट और फार्मा में 0.69 फीसदी की गिरावट रही। इसके अलावा पीएसयू बैंक के शेयर 0.84 फीसदी ऊपर आये। आज सुबह गिफ्ट निफ्टी 22,400 के नीचे आया। इसके अलावा एशिया-प्रशांत शेयर बाजारों में मिला-जुला कारोबार हुआ। जापान के निक्केई 225 में 1 फीसदी की गिरावट रही जबकि व्यापक इंडेक्स 0.88 फीसदी तक गिरा। दक्षिण कोरिया के कोस्पी में हल्की गिरावट दर्ज की गई जबकि ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 0.08 फीसदी बढ़ा। दूसरी ओर वॉल स्ट्रीट पर अमेरिकी शेयरों में मिला-जुला कारोबार दर्ज किया गया। इसमें डॉव जोन्स और एसएंडपी 500 में 0.08 फीसदी और 0.13 फीसदी की हल्की बढ़त आई। इसके अलावा नैस्डैक 0.10 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ।

कावासाकी ला रही केएलएक्स 230 एस डयूअल स्पोर्ट बाइक

नई दिल्ली । बेहतरीन बाइक बनाने वाली कंपनी कावासाकी बहुत जल्द अपनी केएलएक्स 230 एस डयूअल स्पोर्ट बाइक लेकर आ रही है। कंपनी इस बाइक का स्थानीयकरण करेगी और इसे भारतीय परिवहन नियमों के अनुसार तैयार कर बेचेगी। हाल ही में ये बाइक टेस्टिंग के दौरान स्पॉट भी की गई है, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। कावासाकी केएलके 230 एस डयूअल स्पोर्टस बाइक इस साल के अंत तक या 2025 की शुरुआत में लॉन्च किया जा सकता है और कीमत 4 लाख रुपये एक्स-शोरूम के आस-पास होगी। यह बाइक हीरो एक्सपल्स 200 4 वी को टक्कर देगी।अपकमिंग कावासाकी बाइक में 233सीसी, एयर-कूल्ड, सिंगल-सिलेंडर इंजन दिया जा सकता है, जो 19बीएचपी की पावर और 20.6 एनएम का टॉर्क पैदा करेगा। वहीं ब्रेकिंग के लिए एबीएस के साथ आगे-पीछे डिस्क ब्रेक और 21-18 इंच के स्पोक व्हील मिलेंगे। यह 131 किलोग्राम वजन के साथ कॉम्पैक्ट और हल्की होगी।

50 वर्षों में सबसे कम बचत वर्ष 2023- 24 में

10 साल में 336 फ़ीसदी बढा कर्ज

नई दिल्ली ।

केंद्रीय सांख्यिकी मंत्रालय की डाटा रिपोर्ट सामने आई है। जिससे जानकारी मिलती है,पिछले 50 साल में सबसे कम बचत वर्ष 2023-24 में हुई है। पिछले 50 वर्षों के बचत का रिकॉर्ड टूट गया है। वर्ष 2023-24 में बचत 5.3 फ़ीसदी रह गई है। जबकि पिछले 50 वर्षों में 7 से 8 फ़ीसदी के बीच में न्यूनतम बचत रहती थी।

बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहा है कर्ज

देश में बैंकों से लिया गया, घरेलू कर्ज भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहा है। पिछले साल की तुलना में यह 54 फ़ीसदी बढ़ गया है। क्रेडिट कार्ड और होम लोन के माध्यम से सबसे ज्यादा कर्ज लिया गया है। पिछले 10 साल में कर्ज 336 फ़ीसदी बढा है। 2014-15 में 2.58 लाख करोड़ का कर्ज था। जो 2022-23 में बढ़कर 11.88 लाख करोड़ हो गया है। गैर बैंकिंग कर्ज पिछले दो वर्षों में तीन गुना ज्यादा बढ़ गया है। काम बचत और ज्यादा कर्ज से बैंकों को नगदी का संकट झेलना पड़ रहा है। घरेलू कर्ज एनबीएफसी और अन्य वित्तीय संस्थानों से महंगी ब्याज दर पर लिया गया है। 2022-23 में यह एक लाख करोड रुपए से अधिक का हो गया है।

ग्रामीण क्षेत्रों में ब्रांडेड सामान की बिक्री बढी,शहरों में घटी

पिछले 15 महीनो में ग्रामीण अंचलों और शहरी अंचलों की मांग में भी भारी परिवर्तन देखने को मिला है। पैकेट में बिकने वाले ब्रांडेड गुड्स की मांग शहरों में घटी है। गांवों में बड़ी तेजी के साथ मांग बढी है। शहरी क्षेत्र में 5.5 फ़ीसदी की मांग घट गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में 7.6 फ़ीसदी की दर से मांग बढ़ी है। जिसके कारण एफएमसीजी कंपनियां ग्रामीण क्षेत्र की ओर विशेष ध्यान दे रही हैं। ग्रामीण अंचलों से साबुन, तेल, पर्सनल केयर और खाने-पीने की वस्तुओं की मांग बढ़ी है। शहरों में मांग घटने और ग्रामीण क्षेत्रों में मांग का बढ़ना यह प्रमाणित करता है, शहरी क्षेत्र की तुलना में अब ग्रामीण अंचलों में खर्च करने के लिए पैसा है। जिसके कारण भौतिक आवश्यकताओं की मांग ग्रामीण अंचलों में बढ़ रही है।

मई में खरीद ले हुंडई ये गाड़ियां मिल रहा बंपर डिस्काउंट

मुंबई । हुंडई अपनी गाड़ियों पर बंपर डिस्काउंट दे रही है। डिस्काउंट का फायदा नकद छूट, एक्सचेंज बोनस और कॉर्पोरेट छूट के रुप में उठाया जा सकता है। ये डिस्काउंट वेरान,क्रेटा, और टायसून के अलाव आई 20, ग्रैंड आई10 नियोस और वेन्यू और एक्सटर कॉम्पैक्ट एसयूवी पर दिया जा रहा है। हुंडई वेन्यू

कॉम्पैक्ट एसयूवी पर 35,000 रुपये का डिस्काउंट दिया जा रहा है। इसमें 25,000 रुपये तक की नकद छूट और अधिकतम 10,000 रुपये का एक्सचेंज बोनस शामिल है। ग्रैंड आई10 नियोस पर कुल 48,000 रुपये तक का डिस्काउंट दिया जा रहा है। पिछले महीने की तुलना में 5,000 रुपये की वृद्धि है, और इसमें 3,000 रुपये की कॉर्पोरेट डिस्काउंट भी शामिल किया गया है। आई 20 पर लगभग 25,000 रुपये का डिस्काउंट दिया जा रहा हैं। मध्य, उत्तर और पश्चिम भारत में 45,000 रुपये की छूट मिलेगी, जबकि पूर्व और दक्षिण भारत में 35,000 रुपये तक की छूट मिलेगी।

राहुल गांधी के बयान पर.....सीतारमण "उल्टा चोर कोतवाल को डांटे"

मनमोहन सरकार में पीएसयू को नुकसान उठाना पड़ा

नई दिल्ली । केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि मनमोहन सरकार के दौरान सार्वजनिक उपक्रमों (पीएसयू) को नुकसान उठाना पड़ा था। उन्होंने कहा कि पहले उपेक्षित रहे हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) जैसे उपक्रमों का मोदी सरकार के दौरान ''पुनरुत्थान'' हुआ। कांग्रेस पार्टी और उसके नेता राहुल गांधी के सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के परेशानी झेलने के आरोपों का खंडन करते हुए सीतारमण ने कहा कि यह ''उल्टा चोर कोतवाल को डांटे'' जैसा है। वित्त मंत्री ने लिखा, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू) फल-फूल रहे हैं, तथा उन्हें बढ़ी हुई परिचालन स्वतंत्रता के साथ-साथ उनमें पेशेवर संस्कृति का संचार हुआ है। उन्होंने कहा कि मनमोहन सरकार के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को नुकसान उठाना पड़ा। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड जैसे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम जो पहले यूपीए सरकार के दौरान उपेक्षित थे, मोदी सरकार के दौरान फिर से खड़े हुए।

सीतारमण ने कहा कि राहुल गांधी ने कहा कि पीएसयू को खत्म किया जा रहा है और वर्तमान सरकार के अधीन वे परेशान हैं, लेकिन वास्तव में यह ''उल्टा चोर कोतवाल को डांटे'' जैसा है क्योंकि तथ्य कुछ और बयां करते हैं। वित्त मंत्री ने राहुल गांधी पर एचएएल पर ''दुर्भावनापूर्ण'' हमला करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनके दावों के विपरीत, एचएएल का बाजार मूल्यांकन चार वर्षों में 1,370 प्रतिशत बढ़ गया है, जो 2020 में 17,398 करोड़ रुपये से बढ़कर सात मई 2024 तक 2.5 लाख करोड़ रुपये था। एचएएल ने 31 मार्च 2024 को वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 29,810 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व दर्ज करने की घोषणा की है। यह उसका अभी तक का सर्वाधिक राजस्व है। उसके पास 94,000 करोड़ रुपये से अधिक का मजबूत ऑर्डर बुक भी है।

रूसी तेल पर छूट घटी तो कंपनियों का सकल रिफाइनिंग मार्जिन कम हुआ

-दो साल पहले तक भारत सबसे ज्यादा कच्चा तेल इराक से खरीदता था

मास्को।

रूस ने कच्चे तेल के दाम पर छूट कम कर दी है और इराक भारत पहुंचने वाले तेल में अपनी पैठ दोबारा बनाने कम कीमत पर कच्चा तेल दे रहा है। इस कारण देसी रिफाइनरियां इराक से ज्यादा तेल मंगा रही हैं। उद्योग से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि रूस से कच्चे तेल का आयात महंगा होने के कारण वित्त वर्ष 2023-24 की आखिरी तिमाही में तेल कंपनियों का सकल रिफाइनिंग मार्जिन कम हुआ है।

सीमा शुल्क के आंकड़ों के आधार पर गणना बताती है कि 2023-24 में रूस का तेल इराक के कच्चे तेल से करीब 3 डॉलर प्रति बैरल सस्ता था, जबकि उससे पिछले वित्त वर्ष में यह 7 डॉलर प्रति बैरल सस्ता पड़ रहा था। दो साल पहले तक भारत सबसे ज्यादा कच्चा तेल इराक से ही खरीदता था मगर रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद लगे प्रतिबंधों के कारण रूस को अपना तेल चीन और भारत को बहुत कम दाम पर बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा था। भारत ने मौके का पूरा फायदा उठाया और रूस से ज्यादा तादाद में तेल खरीदा। इस कारण रूस पिछले वित्त वर्ष में भारत को सबसे ज्यादा तेल बेचने वाला देश बन गया। वित्त वर्ष 2024 में रूस से औसतन 76.4 डॉलर प्रति बैरल पर कच्चे तेल का आयात किया, जबकि इराक से तेल आयात की लागत 79 डॉलर प्रति बैरल थी। वित्त वर्ष 2023 में इराक के तेल का औसत भाव 90.6 डॉलर प्रति बैरल था जबकि रूस से तेल 83.2 डॉलर प्रति बैरल पड़ा था। पिछले वित्त वर्ष में वेनेजुएला के कच्चे तेल का भाव सबसे कम 64 डॉलर प्रति बैरल था। मगर गुणवत्ता खराब होने, भारी होने और गंधक ज्यादा होने के कारण रिलायंस इंडस्ट्रीज के जामनगर संयंत्र जैसी उन्नत रिफाइनरियों में ही प्रोसेस किया जा सकता है।

इराक से कच्चे तेल के दाम 2024 में घट गए। मार्च में इराकी बेंचमार्क बसरा ऑयल रूस के कच्चे तेल से 2 डॉलर प्रति बैरल सस्ता था। सीमाशुल्क विभाग के आंकड़े बताते हैं कि मार्च में इराकी तेल की औसत कीमत 78.6 डॉलर प्रति बैरल और रूसी तेल

की कीमत 80.6 डॉलर प्रति बैरल थी। मुंबई के एक रिफाइनर ने कहा कि भारतीय रिफाइनरियां हेवी ग्रेड वाला बसरा क्रूड खरीद रही हैं, जिस पर छूट मिल रही है। उद्योग सूत्रों ने कहा कि वित्त वर्ष 2024 में रूसी तेल पर छूट आधी रह जाने से उसके और इराक के तेल के भाव का अंतर भी कम हो गया। रूस के तेल पर भारत को मिलने वाली छूट वित्त वर्ष 2023 की चौथी तिमाही में करीब 77 फीसदी घट गई।

सार्वजनिक क्षेत्र की एक रिफाइनरी के एक अधिकारी ने बताया कि वित्त वर्ष 2023 में प्रति बैरल 10.5 डॉलर की छूट मिल रही थी जो पिछले वित्त वर्ष में घटकर 5.8 डॉलर प्रति बैरल रह गई। उद्योग के एक अधिकारी ने कहा कि रूस पर नए अमेरिकी प्रतिबंधों का रूस के करीब 10 फीसदी जहाजों पर असर पड़ा है। मुंबई की एक रिफाइनरी के अधिकारी ने कहा कि भारतीय रिफाइनरियों के करार के मुताबिक रूस को खरीदा तेल यहां तक पहुंचाना पड़ता है और माल भाड़े या बीमा में कोई भी इजाफा छूट में से काट दिया जाता है। रुस से कच्चे तेल पर मिल रही छूट कम ही रही और भाव 85 डॉलर प्रति बैरल रहा तो वित्त वर्ष 2025 में देश का शुद्ध तेल आयात बिल बढ़कर 101 अरब से 104 अरब डॉलर तक हो सकता है, जो वित्त वर्ष 2024 में 96.1 अरब डॉलर ही था।' उद्योग के अधिकारियों ने कहा कि तेल के दाम में उतार-चढ़ाव जारी है।

2023 में विनिर्माण, निर्माण और खनन क्षेत्रों में निवेश को हुआ घटा

मुंबई ।

वित्त वर्ष 23 में विनिर्माण, निर्माण और खनन क्षेत्रों में निवेश घटा है। सकल पूंजी निर्माण (जीसीएफ) में दिखाए जाने वाले निवेश में गिरावट का कारण निर्यात में प्राथमिक तौर पर गिरावट और कम निजी खपत है। यह जानकारी सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय ने राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी, 2024 के उद्योग-वार विश्लेषण में दी।

इस समय वित्त वर्ष 2023 में सकल जीसीएफ स्थिर मूल्य पर 6.9 प्रतिशत बढ़कर 55.3 लाख करोड़ रुपए हो गया है। जीसीएफ अर्थव्यवस्था में निवेश का व्यापक माप है और यह अचल संपत्तियां, इंवेंटरी और कीमती सामानों समेत भौतिक परिसंपत्तियों के मूल्य का प्रतिनिधित्व करता है। दूसरी तरफ सकल तय पूंजी निर्माण (जीएफसीएफ) अर्थव्यवस्था में निवेश का संकुचित रूप से प्रतिनिधित्व करता है। इसका कारण यह है कि इसमें मूल्यवान इंवेंटरी या अधिग्रहण को शामिल नहीं किया जाता। जीएफसी विनिर्माण 5.4 प्रतिशत संकुचित

होकर 9.4 लाख करोड़ रुपए हो गया। अर्थशास्त्रियों के अनुसार कम विनिर्माण वृद्धि का कारण क्षमता का कम उपयोग और कंपनियों के निवेश में कम पहल करना है। इसके अलावा निर्माण क्षेत्र पर सरकार के अधिक पूंजीगत व्यय किए जाने के कारण इस क्षेत्र में पूंजी निर्माण में गिरावट आई है। इस क्षेत्र में पूंजी निर्माण वित्त वर्ष 2023 में 2.9 प्रतिशत घटकर 4.02 लाख करोड़ रुपए हो गया जबकि यह 2022 में 4.14 लाख करोड़ था। इसमें गिरावट का प्रमुख कारण सस्ते आवास क्षेत्र में गिरावट आना है।

पंजाब किंग्स के खिलाफ जीत का सिलसिला बरकरार रखने उतरेगी आरसीबी

मोहाली (एजेंसी)। पंजाब किंग्स की टीम आईपीएल में गुरुवार को अपने घरेलू मैदान पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) से मुकाबला करेगी। पंजाब की टीम इस मैच में जीत दर्ज करना चाहेगी हालांकि उसके लिए ये आसान नहीं रहेगा। इस कारण है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) ने शुरुआती असफलता के बाद लय हासिल करते हुए लगातार मैचों में जीत दर्ज की है। इससे टीम का उत्साह भी बढ़ा है। ऐसे में आरसीबी की टीम पंजाब किंग्स के खिलाफ अपनी जीत का सिलसिला बनाये रखना चाहेगी। उसने पिछले तीन मैचों जीत दर्ज की है जिससे उसका हौंसला बढ़ा है। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के साथ ही कप्तान फाफ डु प्लेसिस भी अच्छे फार्म में आ गये हैं जिससे टीम बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही है। टीम की गेंदबाजी भी अब लय में आ रही है।

आरसीबी के 11 मैच में आठ अंक हैं और अगर वह अपने बाकी बचे तीनों मैच जीत लेती है तो उसकी प्ले ऑफ में जगह बनाने की हल्की सी उम्मीदें बन जाएंगी। दूसरी ओर पंजाब किंग्स की स्थिति भी ऐसी ही है। टीम 11 मैच में आठ अंक के साथ आठवें स्थान पर है। सत्र के पहले मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ जीत और पिछले तीन मुकाबले जीतने के बाद आरसीबी की टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है।

विराट शीर्ष पर लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं जबकि डुप्लेसी ने पिछले मैच में अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं विल जैक्स ने पिछले मैच में गुजरात टाइटंस के दौरान शतक लगाया कैमरन ग्रीन ने सनराइजर्स हैदराबाद के ऑलराउंड प्रदर्शन किया। टीम के गेंदबाज भी बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।

उसके तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज अंततः लय में लौट आए हैं। इसके अलावा यश दयाल और विजयकुमार विशाक ने भी टाइटंस के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था। वहीं पंजाब किंग्स को पिछले मैच में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था जिससे वह इस मैच में उतरते समय दबाव में रहेगी। आत्मविश्वास कम होगा।

पंजाब किंग्स ने गेंदबाजों ने जहां सुपरकिंग्स के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया।

वहीं उसक बल्लेबाज विफल रहे। पंजाब किंग्स के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी दिखी। टीम ने कोलकाता नाइट राइडर्स और सुपरकिंग्स को उन्हीं के मैदान पर हराकर और कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ उन्होंने सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा किया पर वह घरेलू मैदान पर नाकाम रही है। उन्होंने अपने मुख्य घरेलू मैदान मुल्लांपुर में पांच में से सिर्फ एक मैच जीता। अब टीम किस भी प्रकार ये मैच जीतन चाहेगी। टीम की बल्लेबाजी जॉनी बेयरस्टो , लियाम लिविंगस्टोन के अलावा निचले क्रम के बल्लेबाजों शशांक सिंह और आशुतोष शर्मा पर आधारित रहेगी। शशांक और आशुतोष ने इस सत्र में काफी प्रभावित किया है। उसकी गेंदबाजी की कमान अर्शदीप सिंह, हर्षल पटेल और स्पिनर राहुल चाहर संभालेंगे।

टीम

पंजाब किंग्सः सैम कुरेन (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, जॉनी बेयरस्टो, प्रभसिमरन सिंह, जितेश शर्मा, सिकंदर रजा, ऋषि धवन, लियाम लिविंगस्टोन, अथर्व ताइडे, अर्शदीप सिंह, नाथन एलिस, कागिसो रबादा, हरप्रीत बरार, राहुल चाहर, हरप्रीत भाटिया, विद्वथ कावेरप्पा, शिवम सिंह, हर्षल पटेल, क्रिस वोक्स, आशुतोष शर्मा, विश्वनाथ प्रताप सिंह, शशांक सिंह, तनय त्यागराजन, प्रिंस चौधरी और रिली रोसेयु।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोरः फाफ डु प्लेसिस (कप्तान), ग्लेन मैक्सवेल, विराट कोहली, रजत पाटीदार, अनुज रावत, दिनेश कार्तिक, सुयश प्रभुदेसाई, विल जैक्स, महिपाल लोमरोर, कर्ण शर्मा, मनोज भंडागे, मयंक डागर, विजयकुमार विशाक, आकाश दीप, मोहम्मद सिराज, रीस टॉप्ली,हिमांशु शर्मा, राजन कुमार, कैमरन ग्रीन, अल्जारी जोसेफ, यश दयाल, टॉम कुरेन, लॉकी फर्ग्युसन, स्वप्निल सिंह, सौरव चौहान।

धोनी के निचले क्रम पर उतरने का कारण सामने आया

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल के इस सत्र में चेन्नई सुपरकिंग्स के अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी के बल्लेबाजी के दौरान निचले क्रम पर आने की कई लोगों ने आलोचना की है पर अब उनके ऐसा करने का कारण सामने आया है। धोनी पैर की मांसपेशियों में दर्द से परेशान है और उन्हें दर्द निवारक दवाओं को लेकर उतरना पड़ा रहा है। इसके बाद भी उनके खेलने का कारण ये है कि बैकअप विकेटकीपर डेवोन कॉनवे चोटिल है। कॉनवे के अलावा भी टीम के कई और खिलाड़ी भी चोटिल होने के कारण बाहर हैं। ऐसे में धोनी के सामने खेलने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है। मांसपेशियों में दर्द के कारण उनकी दौड़ने की क्षमता भी कम हुई है। इसी कारण वह निचले क्रम पर बल्लेबाजी के लिए उतरे रहे हैं। उनका प्रयास बड़े शॉट लगाना है जिससे कम से कम दौड़ना पड़े। इसी लिए पंजाब किंग्स के खिलाफ हुए मैच में भी नौवें नंबर पर उतरे थे। धोनी की जगह तब मैदान पर शार्दुल ठाकुर मैदान पर उतरे। धोनी के इस फैसले के बाद कई पूर्व क्रिकेटरों ने उनकी आलोचना की थी।

वहीं सीएसके प्रबंधन के अनुसार उन्हें आराम की सलाह दी गयी है पर टीम हित में वह खेल रहे हैं। ऐसे में उनकी आलोचना करने वालों को ये बात समझनी चाहिये। इसी कारण वह बल्लेबाजी के दौरान विकेट के बीच दौड़ने से ज्यादा अपनी पावर हीटिंग स्किल्स को आजमा रहे हैं। चोटिल होने के कारण ही वह अभ्यास सत्र में भी नहीं दौड़ रहे। टीम में उनके रहने से नये कप्तान रुतुराज गायकवाड़ को भी मार्गदर्शन मिल रहा है। ऐसे में उन्हे जबरदस्ती आराम भी नहीं दिया जा सकता।

बुमराह को अभी आराम देने का इरादा नहीं : पोलार्ड

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस की टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह शुरुआत से ही खेल रहे है। वहीं जिस प्रकार टीम के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं तकरीबन समाप्त हो गयी हैं। ऐसे में बुमराह को आराम दिये जाने की उम्मीदें जतायी जा रही थी पर टीम के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड ने कहा कि अभी बुमराह को आराम नहीं दिया जाएगा। वहीं अगामी टी20 विश्व कप को देखते हुए बुमराह को आराम की अटकलें लगायी जा रहीं थीं। उसी को लेकर पोलार्ड ने कहा, 'हमने इस पर कोई बात नहीं की है। मुझे नहीं लगता कि यह मेरा काम है पर देखते हैं कि क्या होता है। हम सभी यहां पूरा आईपीएल खेलने के लिए हैं। उन्होंने कहा, 'हमारा लक्ष्य आईपीएल पूरा करना है। उसके बाद देखते हैं कि क्या होता है।

पोलार्ड ने कहा कि मेरा बल्लेबाजी कोच होने के कारण सबसे कठिन काम सूर्यकुमार जैसे बल्लेबाज से आक्रामक खेल पर नियंत्रण कराना है। उन्होंने कहा, 'वह स्वाभाविक तौर पर आक्रामक बल्लेबाज है। वह हर गेंद पर शॉट लगाना चाहता है। ऐसे में बल्लेबाजी कोच के लिए सबसे कठिन काम उसकी स्वाभाविक शैली पर नियंत्रण करना है हालांकि बहुत ज्यादा अंकुश की भ जरुरत नहीं है क्योंकि आजकल क्रिकेट में काफी इतने रन बन रहे हैं।

वहीं सहायक कोच सिमोन हेलमोट ने कहा कि सूर्यकुमार ने शानदार पारी खेलकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, 'वह अद्भुत क्रिकेटर है और विश्व कप में भी वह इसी प्रकार धमाकेदार प्रदर्शन करेगा। उसे गेंदबाजी करना काफी कठिन है क्योंकि उसके जैसा बल्लेबाज मिलना कठिन है।

बांग्लादेश का सूपड़ा साफ करने उतरेगी भारतीय महिला टीम, हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में जीते चार मैच

मुम्बई(एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम गुरुवार को जब सिलहट में पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में बांग्लादेश का सामना करेगी तो उसका लक्ष्य मौसम से प्रभावित सीरीज में 5-0 से क्लीन स्वीप करना होगा। भारतीय गेंदबाजों ने अभी तक बल्लेबाजों की तुलना में अच्छा प्रदर्शन किया है हालांकि अभी तक जो चार मैच खेले गए हैं उनमें से दो मैचों में बारिश के कारण ओवरों की संख्या कम कर दी गई थी। दूसरे मैच में भारतीय टीम को 5.2 ओवर में केवल 29 रन का लक्ष्य हासिल करना था। इस तरह से बल्लेबाजों को अभी तक कम मौका मिला है।

वहीं भारत की तरफ से अभी तक केवल एक अर्धशतक शेफाली वर्मा (51) ने पहले मैच में लगाया था। स्मृति मंधाना का उच्चतम स्कोर 47 जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर का 39 रन है। यह प्रदर्शन टीम के बल्लेबाजी प्रदर्शन को अच्छी तरह से प्रदर्शित नहीं करता है विशेषकर तब जबकि अक्टूबर में महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी बांग्लादेश को करनी है। स्मृति और हरमनप्रीत गुरुवार को मौके का पूरा फायदा उठाकर बड़ा स्कोर बनाना चाहेंगे। हरमनप्रीत ने चौथे मैच में 26 गेंद पर 39 रन बनाए थे और वह उसी लय को बरकरार रखने की कोशिश

करेगी। खराब मौसम के कारण यह मैच 14 ओवर का कर दिया गया था तथा भारत ने इस मैच में डकवर्थ लुईस पद्धति से 56 रन से जीत दर्ज की थी। शेफाली के प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रही है हालांकि उन्होंने सीरीज में अभी तक भारत की तरफ से सर्वाधिक 84 रन बनाए हैं। उनके बाद स्मृति (83) और हरमनप्रीत (75) का नंबर आता है। बांग्लादेश की कप्तान निगार सुल्ताना भी पहले मैच में अर्धशतक लगाने के बाद अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई हैं। उन्होंने चार मैच में अभी तक 86 रन बनाए हैं।

वहीं बांग्लादेश की टीम उनसे बड़े स्कोर की उम्मीद कर रही है। भारतीय गेंदबाजों के सामने हालांकि उन्हें कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा जिन्होंने धीमी पिचों पर अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। भारत की तरफ से बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव ने सर्वाधिक सात विकेट लिए हैं। उन्हें तेज गेंदबाज पूजा वस्त्राकर (5 विकेट) और रेणुका सिंह (4) तथा ऑफ स्पिनर श्रेयंका पाटिल (4) का अच्छा सहयोग मिला है। अनुभवी स्पिनर दीप्ति शर्मा ने भी 5 विकेट हासिल किए हैं। बांग्लादेश ने भारत के खिलाफ आखिरी टी20 मैच 2023 में मीरपुर में जीता था। सुल्ताना उस मैच का हिस्सा थी।

टीम इस प्रकार हैं

भारतः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, दयालन हेमलता, दीप्ति शर्मा, एस सजना, शेफाली वर्मा, श्रेयंका पाटिल, अमनजोत कौर, पूजा वस्त्राकर, आशा सोभना, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), ऋचा घोष, राधा यादव, रेणुका सिंह ठाकुर , तितास साधु, सैका इशाक।

बांग्लादेशः निगार सुल्ताना (कप्तान और विकेटकीपर), मुर्शिदा खातून, रुब्या हैदर, शोभना मोस्तरी, शोर्ना अख्तर, शोरिफा खातून, दिलारा अख्तर, नाहिदा अख्तर, सुल्ताना खातून, रितु मोनी, राबेया खान, फाहिमा खातून, मारुफा अख्तर, फरिहा त्रिस्ना, हबीबा इस्लाम।

आईपीएल में चार टीमों के बराबर अंकों पर पहुंचने से प्लेऑफ की रेस हुई कठिन

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स की राजस्थान रॉयल्स पर जीत के साथ ही चार टीमें के समान अंक हो गये हैं। इसके बाद भी चार टीमों का बाहर होना तय है जबकि शीर्ष दो टीमों का प्लेऑफ में पहुंचना पक्का है। अंक तालिका को देखें तो अब तक एक भी टीम क्वालीफाई नहीं कर पायी है। अभी अंक तालिका में कोलकाता नाइटराइजर्स (केकेआर) की टीम 16 अंकों पर कायम है और इतने ही अंक लेकर दूसरे नंबर पर राजस्थान रॉयल्स की टीम है। ऐसे में इन दोनों का प्लेऑफ में पहुंचना तय है। इसके अलावा दो टीमें कौन सी होगी इसको लेकर कुछ भी अभी तय नहीं है। शीर्ष की दो टीम को छोड़ दें तो इसके बाद की चार टीमों के एक समान अंक हैं। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके), सनराइजर्स हैदराबाद, दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के 12-12 अंक हैं। इसमें से दिल्ली ने सबसे ज्यादा 12 मैच खेले हैं जबकि अन्य टीमों ने एक मुकाबला कम खेला है। इस कारण अन्य टीमों के मुकाबले दिल्ली के प्लेऑफ में जाने की संभावना थोड़ी कम है। आईपीएल प्लेऑफ की रेस में अभी 6 टीमों के बीच मुकाबला है पर इसमें से करीब 4 टीमें तकरीबन बाहर हो गयी हैं। मुंबई इंडियंस की टीम अपने बाकी बचे मैच जीतने के बाद भी 12 अंकों तक ही पहुंचेगी ऐसे में वह बाहर हो गयी है। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग्स अपने बचे सारे मैच जीतने के बाद 14 अंकों तक पहुंच सकती है पर ये भी एक तरीके से बाहर ही हैं।

अश्विन दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने

नई दिल्ली । राजस्थान रॉयल्स के स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हुए लीग मुकाबले में तीन विकेट लेकने के साथ ही एक अहम उपलब्धि भी अपने नाम कर ली है। अब सैमसन दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ सबसे अधिक विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज बन गये हैं। सैमसन ने अब तक 27 विकेट लिए हैं जबकि इससे पहले पीयूष चावला ने भी दिल्ली के खिलाफ इतने ही विकेट लिए थे। इस अहम मुकाबले में अश्विन ने 24 रन देकर 3 विकेट लिए। अश्विन ने अब तक सत्र के 10 मैचों में 5 विकेट ही लिए हैं। वहीं बल्लेबाजी के दौरान उन्होंने दिल्ली के खिलाफ सबसे अधिक 29 रन बनाए थे। वह इस सत्र में विकेट न ले पाने के कारण आलोचकों के निशाने पर भी रहे थे।

आईपीएल में दिल्ली के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लेने वालों में तीसरे स्थान पर जसप्रीत बुमराह हैं। उनके नाम 26 विकेट हैं जबकि हरभजन सिंह के नाम 24 और सुनील नरेन के नाम भी इतने ही विकेट हैं। वहीं अश्विन ने अपने प्रदर्शनक को लेकर कहा कि कभी-कभी ऐसा होता है कि आप फुल टॉस गेंदबाजी करते हैं तो भी विकेट मिल जाता है। अभी मैं कुछ चीजों पर काम कर रहा हूं। यह आईपीएल सत्र काफी असाधारण रहा है। मैं विभिन्न कोणों और रिलीज पर काम कर रहा हूं।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हार से निराश कोच संगकारा बोले, हमें ये मैच जीतना चाहिये था

-बहुत सारी गलतियां करते हैं तो फिर संभलना कठिन होता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच कुमार संगकारा ने दिल्ली कैपिटल्स के हाथों मिली हार पर निराशा जताते हुए कहा है कि कप्तान संजू सैमसन के आउट होने के बाद भी टीम के बाकि बल्लेबाजों को उसे लक्ष्य तक पहुंचाना चाहिये था। इस मैच में राजस्थान की टीम दिल्ली से मिले 222 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 202 रन ही बना पायी थी। सैमसन ने हालांकि 86 रनों की पारी खेली। उनके आउट होने के बाद टीम को जीत के लिए 27 गेंद पर 60 रन चाहिये थे पर वह इन्हें हासिल नहीं कर पायी। रॉयल्स की टीम अगर जीत हासिल करती तो प्ले ऑफ में पहुंच सकती थी

संगकारा ने कहा, ' सैमसन के आउट होने के बाद भी हमें शायद यह मैच जीतना चाहिए था। उन्होंने कहा, 'सत्र की शुरुआत में हमने शानदार प्रदर्शन किया था। दिल्ली के खिलाफ मैच में हमने अच्छी गेंदबाजी की। विशेष रुप से अश्विन ने प्रभावित किया पर जब आप बहुत सारी गलतियां करते हैं तो फिर संभलना कठिन हो जाता है। योजनाओं पर अमल नहीं कर पाने से हमें हार मिली।

इस मैच में सैमसन को आउट दिये जाने पर भी सवाल उठे हैं। उनका एक कैच शाई होप ने बाउंड्री पर पकड़ा था लेकिकन सैमसन का मामना था कि वह आउट नहीं हैं क्योंकि होप का पैर जमीन पर लग गया था। इस मामले में टीवी अंपायर ने उन्हें आउट दिया। इसी को लेकर संगकारा ने कहा कि कभी-कभी तीसरे अंपायर के लिए भी सही फैसला लेना कठिन होता है।

संगकारा ने कहा, 'यह रीप्ले और कोण पर निर्भर करता है और कभी-कभी आपको लगता है कि पैर छू गया है पर ऐसा ही में हो ये कहा नहीं जा सकता। तीसरे अंपायर के लिए इस पर फैसला करना कठिन था। मैच एक महत्वपूर्ण चरण में था और खेल में ऐसा होता ही रहता है। उन्होंने कहा, 'दिन के अंत में आपको अंपायरों ने जो किया उसी पर सहमत होना होगा। वहीं यदि हमारे पास इस पर किसी अन्य प्रकार की राय है तो हम इसे अंपायर के साथ साझा करेंगे और हल निकालेंगे।

महान फुटबॉलर माराडोना की गोल्डन बॉल ट्रॉफी की नीलामी, 1986 वर्ल्ड कप में मिली थी

महान फुटबॉल खिलाड़ी डिएगो माराडोना की 1986 विश्व कप की गोल्डन बॉल ट्रॉफी फिर से सामने आ गयी है। अगुटेस हाउस ने कहा कि दशकों से गायब इस पुरस्कार की अगले महीने पेरिस में नीलामी की जाएगी। माराडोना का 2020 में 60 बरस की उम्र में निधन हो गया था। उन्हें 1986 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के लिए इस ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। माराडोना मेक्सिको सिटी में फाइनल में पश्चिम जर्मनी पर 3-2 की जीत के दौरान अर्जेंटीना की कप्तानी की। इससे पहले उन्होंने क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड पर 2-1 की जीत में विवादास्पद 'हैंड ऑफ गॉड' गोल और 'सदी का सर्वश्रेष्ठ' गोल किया था। नीलामी घर ने कहा कि उसे उम्मीद है कि ट्रॉफी अपनी विशिष्टता के कारण लाखों यूरो में बिकेगी। टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को गोल्डन बॉल ट्रॉफी दी जाती है। हालांकि बाद में यह ट्रॉफी गायब हो गई जिसने काफी अफवाहों को जन्म दिया। अगुटेस ने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि यह एक पोकर मैच के दौरान खो गई थी या कर्ज चुकाने के लिए इसे बेच दिया गया था। अन्य लोगों का कहना है कि माराडोना जब इटैलियन लीग में खेल रहे थे तो उन्होंने इसे नेपल्स बैंक की एक तिजोरी में रखा था जिसे 1989 में स्थानीय अपराधियों ने लूट लिया था। सुधरकर मुख्यधारा से जुड़ने वाले माफिया के एक सदस्य द्वारा बताई गई कहानी के अनुसार ट्रॉफी को पिघलाकर सोना निकाल लिया गया था।

जायसवाल के पास मेरा रिकॉर्ड तोड़ने का बहुत अच्छा मौका-ब्रायन लारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। यशस्वी जायसवाल का टेस्ट करियर सिर्फ नौ मैच का है लेकिन महान बल्लेबाज ब्रायन लारा को लगता है कि अगर कोई है जो उनके रिकॉर्ड नाबाद 400 रन सहित उनकी उपलब्धियों के करीब पहुंच सकता है तो वह भारत का यह 22 वर्षीय बाएं हाथ का बल्लेबाज है। लारा ने जायसवाल की अत्यधिक प्रशंसा अचानक नहीं की। बाएं हाथ के यह दोनों बल्लेबाज एक विशेष बंधन साझा करते हैं।

उन्होंने पिछले साल आईपीएल के दौरान 'सुबह चार बजे की बातचीत% के बाद काफी समय साथ बिताया था। तब लारा सनराइजर्स हैदराबाद को कोचिंग दे रहे थे और युवा सलामी बल्लेबाज जायसवाल राजस्थान रॉयल्स के साथ थे। आईपीएल 2023 के बाद से बहुत कुछ बदल गया है और जायसवाल अब भारत की टेस्ट और टी20

टीम का अहम हिस्सा बन गए हैं। सबसे लंबे प्रारूप में उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया है। उनका औसत 70 के करीब है और उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ हाल की घरेलू श्रृंखला में दो दोहरे शतक सहित तीन शतक जड़े हैं।

जिस चीज ने लारा को प्रभावित किया है वह मैच की स्थिति के अनुसार खेल में बदलाव करने की जायसवाल की क्षमता है। लारा ने कहा, 'अगर मुझे लगता है कि मेरे रिकॉर्ड को खतरा है तो जायसवाल के पास ऐसा करने का बहुत अच्छा मौका है। उसके पास क्षमता है, पहले ही दो दोहरे शतक लगा चुका है। वह इतना अच्छा है।'

हाल ही में 55 बरस के होने वाले लारा खेल के सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक हैं जिन्होंने टेस्ट में लगभग 12,000 रन और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में 10,000 से अधिक रन बनाए हैं। 2004 में इंग्लैंड के खिलाफ नाबाद 400 रन का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर का उनका रिकॉर्ड अब भी कायम है। जब लारा से मौजूदा सत्र में राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स के बीच हुए मुकाबले के दौरान साझा किए गए हल्के-फुल्के पल के बारे में पूछा गया तो उन्होंने जायसवाल के साथ अपनी पहली मुलाकात को याद किया।

सैमसन को अंपायर से बहस करना भारी पड़ा, मैच फीस का तीस फीसदी जुर्माना लगा

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन पर आचार संहित उल्लंघन के मामले में जुर्माना लगा है। सैमसन पर ये जुर्माना दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में अंपायर से बहस करने के कारण लगा है। उनपर मैच फीस का 30 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। वहीं आईपीएल प्रबंधन ने एक बयान में कहा,

सैमसन ने आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 के तहत लेवल 1 का अपराध किया है। उन्होंने अपना अपराध स्वीकार कर लिया और मैच रेफरी की मंजूरी मान ली है। आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए, मैच रेफरी का फैसला ही अंतिम और बाध्यकारी माना जाता है। सैमसन को इस मैच में बाउंड्री पर कैच आउट दिया गया था जबकि उनका मानना था कि गेंद बाउंड्री पर लग गयी है। इसलिए इसमें आउट नहीं दिया जा सकता। फैसले से नाराज सैमसन अंपायर से बहस करने लगे थे। सैमसन ने मैच में 46 गेंदों में 86 रन की पारी खेली पर वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। इस मैच में 20 रन की हार के बाद सैमसन ने माना कि रॉयल्स ने 10 रन अतिरिक्त दिए जो हमें भारी पड़े।

तीन साल में पहली बार घरेलू प्रतियोगिता में भाग लेंगे नीरज चोपड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक और विश्व चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने 12 से 15 मई तक भुवनेश्वर में होने वाले राष्ट्रीय फेडरेशन कप में भाग लेने की पुष्टि कर दी है और इस तरह से यह पिछले तीन साल में पहला अवसर होगा जबकि यह स्टार एथलीट घरेलू प्रतियोगिता में हिस्सा लेगा। इस 26 वर्षीय स्टार खिलाड़ी के 10 मई को प्रतिष्ठित डायमंड लीग सीरीज के दोहा में होने वाले पहले चरण में अपने सत्र की शुरुआत करने के बाद भारत आने की संभावना है।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने ट्वीट किया, 'प्रविष्टियों के अनुसार नीरज चोपड़ा और किशोर कुमार जेना भुवनेश्वर में 12 मई से शुरू होने वाली घरेलू प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे।% चोपड़ा के कोच क्लाउस बार्टोनिट्ज ने भी पुष्टि की कि यह स्टार एथलीट भुवनेश्वर में होने वाली प्रतियोगिता में भाग लेगा। हांगझोउ एशियाई खेलों में चोपड़ा के बाद दूसरे स्थान पर रहकर रजत पदक जीतने वाले 28 वर्षीय किशोर जेना भी 10 मई को दोहा डायमंड लीग में भाग लेंगे।

चोपड़ा ने इससे पहले आखिरी बार घरेलू प्रतियोगिता में 17 मार्च 2021 को भाग लिया था और तब उन्होंने 87.80 मीटर भाला फेंककर स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद चोपड़ा ने तोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता था। वह 2022 में डायमंड लीग और 2023 में विश्व चैंपियन बने। उन्होंने चीन में एशियाई खेलों में अपने खिताब का भी बचाव किया था। चोपड़ा ने इस बीच डायमंड लीग के तीन व्यक्तिगत चरण भी जीते और 2022 में विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक हासिल किया। यह भारतीय खिलाड़ी हालांकि अभी तक 90 मीटर की दूरी को छूने में नाकाम रहा है। उनका सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन 89.94 मीटर है जो राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है।

कृषि विज्ञान में कॅरियर की संभावनाएं

भारत विश्व के प्रमुख कृषि प्रधान देशों में से एक है और इसकी संपत्ति के सबसे बड़े स्रोतों में से सर्वाधिक महत्वपूर्ण है- भूमि की पैदावार। देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका है। इसका योगदान सकल घरेलू उत्पाद का 29.4 प्रतिशत है। इससे करीब 64 प्रतिशत सेवा क्षेत्र जुड़ा है। खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में वर्ष दर वर्ष कृषि उत्पादन में महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की गई है।

कृषि विज्ञान आधारित उच्च प्रौद्योगिकीय क्षेत्र है तथा इसमें रोजगार संभावनाएं हैं। पशु और पादप शोधकर्ता, खाद्य वैज्ञानिक, वस्तु ब्रोकर, पोषणविद, कृषि पत्रकार, बैंकर्स, बाजार विश्लेषक, बिक्री व्यावसायिक, खाद्य संसाधक, वन प्रबंधक, वन्यजीव विशेषज्ञ आदि के रूप में कृषि क्षेत्र में करियर बनाया जा सकता है।

कृषि अनुसंधान और शिक्षा कृषि विश्वविद्यालयों, संस्थानों तथा कृषि शिक्षा और पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालयों द्वारा संचालित की जाती है। कृषि विज्ञान के प्राकृतिक, आर्थिक और सामाजिक विज्ञान भाग हैं, जिन्हें कृषि के व्यवहार तथा इसे समझने के लिए प्रयोग किया जाता है। इस क्षेत्र में उत्पादन तकनीकें जैसे सिंचाई प्रबंधन, अनुशंसित नाइट्रोजन इनपुट्स गुणवत्ता और मात्रा की दृष्टि से कृषि उत्पादन में सुधार, प्राथमिक उत्पादों का अंतिम- उपभोक्ता उत्पादों में परिवर्तन, विपरीत पर्यावरणीय प्रभावों की रोकथाम तथा सुधार जैसे मिट्टी निम्नीकरण, कचरा प्रबंधन, जैव-पुनः उपचार सैद्धांतिक उत्पादन पारिस्थितिकी, फसल उत्पादन मॉडलिंग से संबंधित परंपरागत कृषि प्रणालियां, कई बार इसे जीविका कृषि भी कहा जाता है, जो विश्व के सर्वाधिक गरीब लोगों का भरण-पोषण करती है। ये परंपरागत पद्धतियां काफी रुचिकर हैं क्योंकि कई बार ये औद्योगिक कृषि की बजाय ज्यादा प्राकृतिक रिस्थितिकी व्यवस्था के साथ समाकलन का स्तर कायम रखती हैं जो कि कुछ आधुनिक कृषि प्रणालियों की अपेक्षा ज्यादा दीर्घकालिक होती हैं

न घबराएं ग्रुप इंटरव्यू से

सिंगल इंटरव्यू की बजाय आजकल कंपनियां ग्रुप इंटरव्यू का कॉन्सेप्ट ज्यादा पसंद कर रही हैं। इसमें रिक्रूटिंग मैनेजर्स का बोर्ड कैंडिडेट का इंटरव्यू लेता है। अगर आप कुछ बातों का ख्याल रखें, तो इसे आसानी से क्लियर कर सकते है। नए फाइनैंशल ईयर में तमाम कंपनियां अपने रिक्रूटिंग प्रोसेस को फिर से शुरू करने की प्लानिंग कर रही हैं। गौरतलब है कि पिछले दिनों कुछ ऑर्गनाइजेशंस ने काफी संख्या में रिक्रूटमेंट करने के संकेत भी दिए थे। हालांकि अब कंपनियां वन बाई वन इंटरव्यू की बजाय ग्रुप इंटरव्यू का कॉन्सेप्ट फॉलो कर रही हैं। इसके पीछे कंपनी के पास तमाम रीजन हैं। उनका मानना है कि इस तरह के इंटरव्यू में कम टाइम लगता है, क्योंकि एक कैंडिटेट को एक साथ तमाम लोग परखते हैं। अगर एक इंटरव्यूअर एक कैंडिडेट का इंटरव्यू करने में आधा घंटे का वक्त लगाता है, तो उनका ग्रुप कुछ मिनटों में ही कैंडिडेट की एबिलिटी जांच लेता है। इसके अलावा, मैनेजर्स के ग्रुप के पास कैंडिडेट के बारे में डिस्कस करने का भी ऑप्शन होता है, जबकि अकेले इंटरव्यूअर के पास ऐसा कोई ऑप्शन नहीं होता।

करना होगा कुछ खास

बेशक, वन बाई वन इंटरव्यू और ग्रुप इंटरव्यू में कोई बहुत ज्यादा फर्क नहीं होता, बावजूद इसके कैंडिडेट्स को इस नए कॉन्सेप्ट के लिए कुछ खास तैयारियां करने की जरूरत होती है। एक्सपर्ट्स की अगर मानें, तो ग्रुप इंटरव्यू को बिजनेस मीटिंग की तरह ट्रीट करना चाहिए। आपको यह मानना चाहिए कि वहां इंटरव्यूअर आपके क्लाइंट हैं। बेशक, इस खास तरह के इंटरव्यू में आपका सामना न सिर्फ अलग-अलग तरह के लोगों से होगा, बल्कि वे आपसे असहमत भी हो सकते हैं। हालांकि अगर आप कुछ रूल्स को फॉलो करें, तो आप इसे क्लियर करके जॉब हासिल कर सकते हैं।

बैंकिंग सक्सेस के लिए जीके भी जरूरी

जीके या जनरल अवेयरनेस के बिना आप कोई भी कॉम्पिटीटिव एग्जाम पास करने की सोच भी नहीं सकते। बैंकिंग एग्जाम्स के लिए भी यही बात लागू होती है। जनरल अवेयरनेस के तहत इकॉनमी, जियोग्राफी, हिस्ट्री, स्पोर्ट्स आदि सब्जेक्ट्स काफी अहमियत रखते हैं और एग्जाम्स में इनसे ही संबंधित नेशनल और इंटरनेशनल लेबल के सवाल ज्यादा पूछे जाते हैं। दायरा बड़ा या यूं कहें कि अनलिमिटेड होने के कारण इस सब्जेक्ट की तैयारी करना हर किसी के लिए बड़ी चुनौती होती है। सवालों को लेकर कयास भी नहीं लगाए जा सकते हैं। कहीं से कुछ भी पूछा जा सकता है। बैंक एग्जाम्स की बात करें तो इस सब्जेक्ट का फोकस उन टॉपिक्स पर ज्यादा होता है, जिनका बैंकिंग और इकॉनामी से वास्ता होता है क्योंकि बैंकिंग सेक्टर में काम करने वालों का इनसे ही वास्ता पड़ता है और एग्जाम में यही देखा जाता है कि इनमें स्टूडेंट्स की कितनी समझ है? वैसे तो इस सब्जेक्ट की तैयारी के बाद कोई यह नहीं कह सकता कि उसने सब कर लिया है, लेकिन अपने आप को देश-दुनिया की घटनाओं से अपडेट रख अपने लिए जमीन जरूर तैयार कर सकते हैं।

आपकी सफलता बहुत हद तक जनरल अवेयरनेस पर डिपेंड करती है। इसकी कई वजहें हैं। अव्वल तो यह कि हर एग्जाम में इसके अंक काफी होते हैं। दूसरा यह कि जनरल अवेयरनेस के सवालों को हल करने में बहुत ही कम समय लगता है। इसलिए आप इस सेक्शन में समय बचा कर अन्य सेक्शन में लगा सकते हैं। एग्जाम में भी इस सेक्शन को पहले करने की जरूरत होती है। जो लोग पहले दूसरे सेक्शन करते हैं, वे अक्सर समय न मिलने के कारण सवाल छूटने की शिकायत करते हैं। अन्य सेक्शन में अच्छा होने और अच्छा करने के बावजूद बहुतों के लिए एग्जाम में फेल होने का यह भी एक कॉमन रीजन है।

इकॉनामी और फाइनेंस

बैंकों के एग्जाम के लिए जनरल अवेयरनेस की तैयारी कर रहे हैं तो फोकस इकानॉमी और फाइनेंस पर ही रखें। आपसे कुछ भी पूछा जा सकता है। वर्ल्ड बैंक और एडीबी से लेकर रिजर्व बैंक तक के बारे में। नामी कंपनियों और उनके प्रदर्शन से भी खुद को वाकिफ रखें। बैंकिंग और फाइनेंस सेक्टर में इस्तेमाल होने वाले टर्म और शब्द संक्षेप पर भी पकड़ बनाएं। हिस्ट्री, पॉलिटिक्स और खेल की भी अच्छी तैयारी रखनी चाहिए।

रेग्युलर बनें

जनरल अवेयरनेस की तैयारी को काफी लोग हल्के में लेते हैं। लोग मान लेते हैं कि बैंक के लिए रीजनिंग और मैथ्स अहम है, जनरल अवेयरनेस नहीं। लेकिन ऐसा नहीं है और यह भी नहीं है कि आप इस सब्जेक्ट की तैयारी थोड़े दिनों में कर सकते हैं। सबसे पहले तो जरूरत है चीजों को समझने की। अगर बैंकिंग और फाइनैंस के टर्म्स आप समझ जाएंगे तो बाद में आसानी से खुद को अपडेट रख सकते हैं। किसी अन्य चीज की तरह इस सब्जेक्ट में अच्छा करने के लिए भी नियमितता जरूरी है। करंट अफेयर्स से खुद को अपडेट रखने का रूटीन बनाएं इसलिए तैयारी अडवांस में ही शुरू कर देनी चाहिए। ऐसा करते खुद और दूसरों में अंतर देख सकते हैं। खुद को अपडेट रखने के लिए सबसे पहले तो न्यूज पेपर्स का सहारा लें। इसके अलावा करंट अफेयर की एक दो अच्छी पत्रिका भी नियमित रूप से पढ़ें। जनरल अवेयरनेस के सवालों का जायजा आप पिछले एग्जाम्स के सवालों से ले सकते हैं। एक और बात भी ठीक तरह समझ लें कि जनरल अवेयरनेस की तैयारी के लिए आप किसी एक बुक के सहारे नहीं रह सकते हैं। बाजार में हर जरूरत के हिसाब से काफी पुस्तकें और मैगजींस आ रही हैं। आप उनमें से कुछेक के नियमित पाठक बन सकते हैं। इस क्रम में समाचार चैनलों और इंटरनेट का भी सहारा लिया जा सकता है। नेट पर भी अब हिंदी और इंग्लिश, दोनों भाषाओं के अलावा क्षेत्रीय भाषाओं में भी काफी कुछ उपलब्ध है।

जर्नलिज्म, बेस्ट कॅरियर

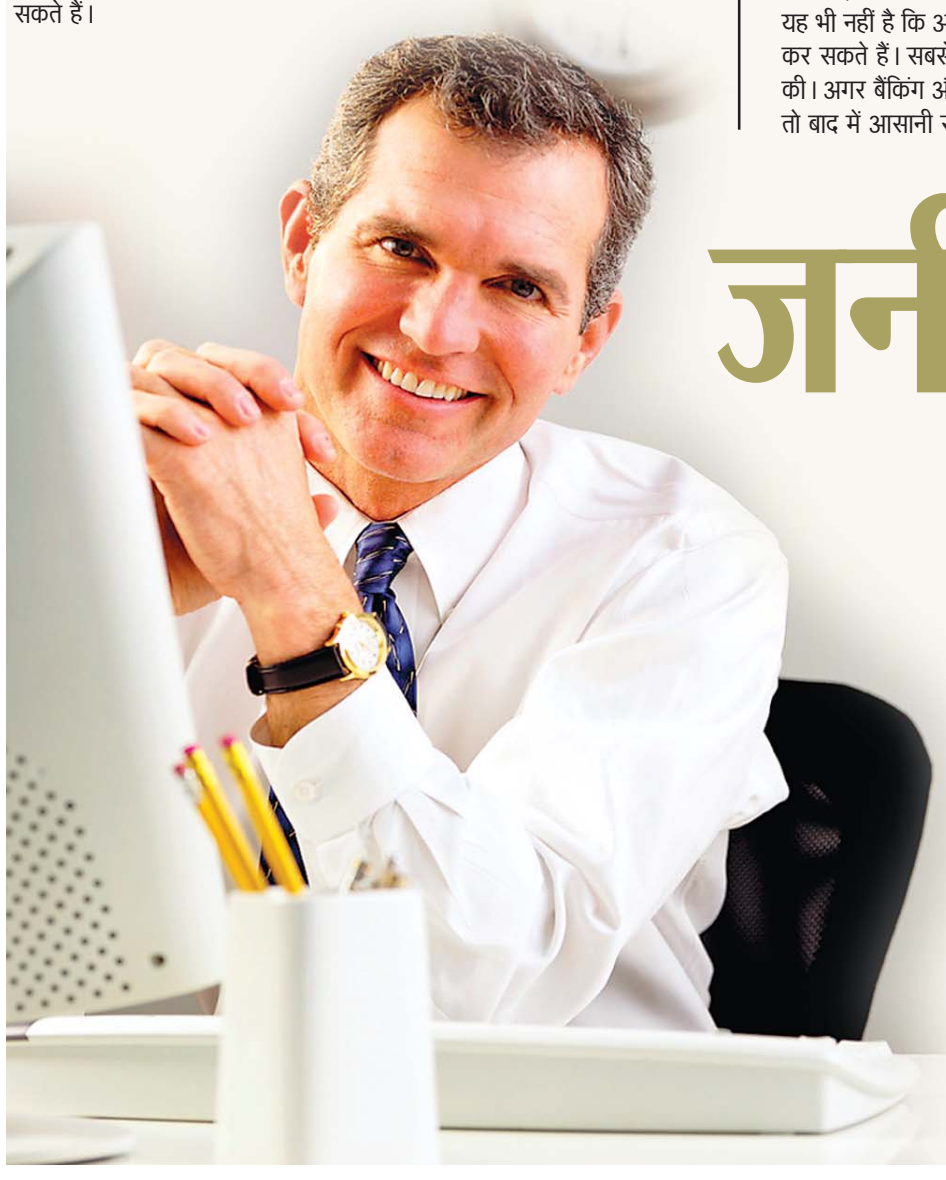

इन दिनों ज्यादातर युवाओं के लिए मीडिया आकर्षक कैरियर बनता जा रहा है। यदि लिखने-पढ़ने के शौकीन हैं और आपकी कम्युनिकेशन स्किल बढ़िया है, तो मीडिया आपके लिए बेस्ट कैरियर साबित हो सकता है। दरअसल, आज मीडिया का काफी विस्तार हो चुका है। न केवल अखबार, टीवी और रेडियो, बल्कि इंटरनेट, मैग्जींस, फिल्म भी इसके विस्तारित क्षेत्र हैं। करेंट इवेंट्स, ट्रेंड्स संबंधित इन्फॉर्मेशन कलेक्ट करना, एनालाइज करना आदि जर्नलिस्ट के मुख्य काम हैं।

ज्यादातर इंस्टीट्यूट्स एंट्रेंस एग्जाम आयोजित करते हैं। इसमें रिटेन टेस्ट, इंटरव्यू और ग्रुप डिस्कशन भी होता है। लिखित परीक्षा में स्टूडेंट्स के राइटिंग स्किल्स, जेनरल अवेयरनेस, एनालिटिकल एबिलिटी और एप्टीट्यूड की जांच की जाती है। एमसीआरसी के ऑफिशिएटिंग डायरेक्टर ओबेद सिद्दीकी के अनुसार, एंट्रेंस एग्जाम के लिए कोई विशेष तैयारी नहीं करनी होती है। टेस्ट के माध्यम से एप्लीकैंट के सोशल, कल्चरल और पॉलिटिकल इश्यू संबंधित ज्ञान को परखा जाता है।

करेंट अफेयर्स की जानकारी एशियन कॉलेज ऑफ जर्नलिज्म के प्रोफेसर संपत कुमार कहते हैं कि जर्नलिज्म के लिए जरूरी तत्व है- करेंट न्यूज पर आपकी पकड़। ऐसे कैंडिडेट ही अच्छे जर्नलिस्ट बनते हैं, जिन्हें न्यूज की अच्छी समझ होती है और जिनकी राइटिंग स्किल बढ़िया होती है। साथ ही, उनका अपने पेशे के प्रति कमिटमेंट होना भी जरूरी है। दरअसल, किसी भी खबर का विश्लेषण कर उसे सरल रूप में पेश करना ही मास कम्युनिकेशन का मुख्य उद्देश्य होता है। यदि आप इस पेशे में सफल होना चाहते हैं, तो न्यूज पेपर्स, मैग्जींस और करेंट अफेयर्स संबंधित बुक्स जरूर पढ़ें।

इंटरव्यू है असली परीक्षा: दिल्ली यूनिवर्सिटी से जर्नलिज्म में बैचलर करने के बाद मैं पीजी करना चाहता था। मैं प्रतिदिन एंट्रेंस एग्जाम की तैयारी के लिए दो लीडिंग न्यूजपेपर्स और कई मैग्जींस पढ़ा करता था। एंट्रेंस एग्जाम राइटिंग स्किल और सामयिक घटनाओं के प्रति आपकी जागरूकता की जांच के लिए किए जाते हैं। इसमें सफल होना आसान है। असली परीक्षा इंटरव्यूज के दौरान होती है। इस दौरान आपके न्यूज सेंस, कम्युनिकेशन स्किल और पेशेंस की भी जांच-परख होती है। यदि आप दब्बू किस्म के इंसान हैं या जल्दी अपना धैर्य खो देते हैं, तो आपको इस क्षेत्र में सफलता नहीं मिल सकती। इसलिए आपको अपने लक्ष्य के प्रति स्पष्ट नजरिया बनाना होगा कि आपका स्वभाव इस पेशे के अनुकूल है या नहीं।

तीन साल के बेटे ने वीडियो कॉल पर पापा से गुडबाय नहीं बोला तो मां ने गोली मार दी

टेक्सास। एक सरफिरी महिला ने अपने ही तीन साल के मासूम की गोली मारकर हत्या कर दी। बेटे का दोष सिर्फ इतना था कि उसने पापा से वीडियो कॉल पर गुडबाय नहीं बोला था। इससे गुस्साई महिला ने खुद को भी गोली मारी और जान दे दी। 32 साल की सावन्ना क्रिगर और उसके बेटे काइदन का शव पार्क में 19 मार्च को मिला था। मामला अमेरिका के टेक्सास का है। पुलिस इनके शव मिलने के बाद से इस मामले की जांच में जुटी थी। घटना से ठीक पहले क्या

हुआ, अब इस बारे में पता चला है। वहीं पूर्व पति को घटना से पहले किए 21 सेकंड के वीडियो कॉल में वो अपने बेटे के साथ दिखाई दी। इसी जगह पर बाद में इनके शव मिले। वीडियो में वो अपने बेटे से माफी मांगती है क्योंकि उसका पिता उसके पास नहीं था। फिर वो उसे किस करती है. वीडियो में दोनों मरते हुए नहीं दिखे लेकिन इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि क्या कुछ हुआ था। घटना से पहले उसने आखिरी चीज जो इंटरनेट पर सर्च की, वो था बच्चों के कार्टून. दोनों मां बेटे के शव 19 घंटे तक पार्क में पड़े रहे थे। अधिकारियों का कहना है कि बेटे को मारने और खुद आत्महत्या करने से पहले क्रिगर ने अपने पूर्व पति के घर में तोड़फोड़ की। शादी की पुरानी तस्वीरों की तरफ गोली चलाई। फिर पूर्व पति को कई बार वीडियो कॉल और मैसेज करके धमकाया। रिपोर्ट के अनुसार, इसके बाद उसने अपने बेटे को डे केयर से पिक किया और पूर्व पति को फिर से मैसेज किए। उसने मैसेज में लिखा, अब तुम्हारे पास घर जाने के लिए कुछ भी नहीं है। तुम्हारे पास कुछ नहीं है।

सर्बिया की राजकीय यात्रा पर बेलग्रेड पहुंचे जिनपिंग

बेलग्रेड । चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग सर्बिया के राजकीय दौरे पर हैं। श्री जिनपिंग सर्बिया की राजधानी बेलग्रेड पहुंचे। देश के हवाई क्षेत्र में प्रवेश के बाद सर्बियाई वायु सेना ने श्री जिनपिंग के विमान की सुरक्षा के लिए दो लड़ाकू विमान भेजे। सर्बियाई राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक और उनकी पत्नी तमारा वुसिक ने चीनी राष्ट्रपति का स्वागत किया। सर्बियाई बच्चों ने श्री जिनपिंग और उनकी पत्नी पेंग लियुआन को फूल भेंटकर चीन तथा सर्बिया के राष्ट्रीय झंडे लहराए। राष्ट्रीय वेशभूषा पहने सर्बियाई लोगों ने उनका स्वागत करने के लिए गाना गाया और नृत्य किया।

तूफान से पांच लोगों की मौत...मरने वालों का कुल आंकड़ा 90 पहुंचा

साओ पाउलो । दक्षिण ब्राजील के रियो ग्रांडे डो सुल राज्य में पिछले 24 घंटों में तूफान से पांच लोगों की मौत हुई है। जिसके बाद प्रांत में बारिश और बाढ़ के कारण मरने वालों की संख्या 90 हो गई है। राज्य की नागरिक सुरक्षा एजेंसी ने यह जानकारी दी। उरुग्वे और अर्जेंटीना की सीमा से लगे राज्य में रिकॉर्ड बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के कारण 132 लोग लापता हुए हैं और 361 घायल हुए हैं। पिछले आठ दिनों में 2,00,000 से अधिक निवासियों को घर छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा है। राजधानी पोर्टो एलेग्रे सहित राज्य के 497 शहरों में से 388 में 14 लाख से अधिक लोग आपदा से प्रभावित हुए हैं। शहर की 85 प्रतिशत से अधिक आबादी को पीने योग्य पानी नहीं मिल पा रहा है। राज्य भर में कक्षाएं निलंबित कर दी गई हैं, क्योंकि 790 स्कूल बाढ़ से प्रभावित हुए हैं, 388 को नुकसान हुआ है और अन्य 52 स्कूल निकाले गए लोगों को आश्रय दे रहे हैं।

जेलेंस्की की हत्या की रुसी साजिश की कोशिश नाकाम

कीव । यूक्रेनी खुफिया रोधी जांचकर्ताओं ने राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और अन्य शीर्ष सैन्य और राजनीतिक हस्तियों की हत्या करने की रूसी साजिश को नाकाम कर दिया है। यूक्रेन की राज्य सुरक्षा सेवा ने यह दावा किया। बयान में कहा गया है कि शीर्ष अधिकारियों की सुरक्षा करने वाले यूक्रेन के स्टेट गार्ड के दो कर्नल को रूस की संघीय सुरक्षा सेवा द्वारा तैयार की गई साजिश को अंजाम देने की कोशिश करने के संदेह में हिरासत में लिया गया है। बयान के मुताबिक, फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद इन संदिग्ध अधिकारियों की भर्ती हुई थी। विज्ञप्ति में राज्य सुरक्षा सेवा के प्रमुख वासिल मलियुक के हवाले से कहा गया है कि पांचवें कार्यकाल के लिए रूसी राष्ट्रपति पुतिन के शपथ से पहले इस हमले को अंजाम देने की साजिश रची गई थी। मलियुक ने कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से साजिश से जुड़े तथ्यों की जांच के लिए शीर्ष स्तर पर गुप्त ऑपरेशन का निरीक्षण कर रहे हैं।

म्यांमार में बिजली गिरने की घटनाओं में 73 लोगों की मौत

यांगून । म्यांमार के आपदा प्रबंधन विभाग की रिपोर्ट में बताया गया है, इस साल 31 मार्च को समाप्त 12 महीने में देश में बिजली गिरने की घटनाओं में कुल 73 लोगों की मौत हुई है। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि म्यांमार में पिछले साल 1 अप्रैल से इस साल 31 मार्च तक बिजली गिरने की कुल 67 घटनाएं हुईं। इसमें 73 लोगों की मौत हो गई और 27 अन्य घायल हुए। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश भर में बिजली गिरने से होने वाली मौतों की संख्या इस अवधि के दौरान तेज हवाओं के कारण होने वाली मौतों से अधिक है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश का आपदा प्रबंधन विभाग बिजली गिरने से होने वाली मौतों की संख्या को कम करने के लिए लोगों में सुरक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ा रहा है।

सेना वापसी पर तनाव के बीच क्या कम हुई मालदीव की अकड़, विदेश मंत्री मूसा जमीर एस जयशंकर से करेंगे मुलाकात

नई दिल्ली। मालदीव से भारतीय सैन्य कर्मियों की वापसी की समय सीमा 10 मई को समाप्त हो रही है, राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के नेतृत्व वाली मालदीव सरकार 9 मई को पहली उच्च स्तरीय मंत्रिस्तरीय यात्रा के लिए अपने विदेश मंत्री को भेज रही है। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को घोषणा की कि मालदीव के विदेश मंत्री मूसा ज़मीर गुरुवार को आधिकारिक यात्रा पर भारत आएंगे। इसमें कहा गया है कि नई दिल्ली की अपनी यात्रा के दौरान विदेश मंत्री जमीर आपसी हित के द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा के लिए विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात करेंगे। नवंबर 2023 में सत्ता में आने के तुरंत बाद, मुइज्जू, जिन्हें चीन समर्थक के रूप में देखा जाता है, ने भारत से द्वीप देश से अपने सैन्य कर्मियों को वापस लेने के लिए कहा था। मुइज्जू ने राष्ट्रपति चुनाव में 'इंडिया आउट' मुद्दे पर मौजूदा इब्राहिम मोहम्मद सोलिह को हराया था। इस साल फरवरी में, दोनों देश इस बात पर सहमत हुए थे कि भारत 10 मार्च से 10 मई के बीच मालदीव में तैनात अपने सभी 80 सैन्य कर्मियों को वापस बुला लेगा। पिछले तीन महीनों में दो टीमें पहले ही वापस आ चुकी हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा था कि मालदीव में दो हेलीकॉप्टर और एक डोर्नियर विमान का संचालन 'सक्षम भारतीय तकनीकी कर्मियों' द्वारा किया जाएगा जो 'वर्तमान कर्मियों' की जगह लेंगे। ज़मीर, जिनके पास दोनों देशों के बीच मतभेदों को दूर करने का चुनौतीपूर्ण काम होगा, भारत में चुनावी मौसम के बीच दिल्ली आ रहे हैं।

मास्को में रुस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन क्रेमलिन में पैटरियाच क्रिल के साथ एनूसिएशन कैथड्रल में प्रार्थना सभा में शामिल हुए।

पूर्व पीएम नवाज शरीफ के मामले में 4 जून को सुनवाई

कराची । पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) प्रमुख नवाज शरीफ ने तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में बरी करने के लिए इस्लामाबाद की एक जवाबदेही अदालत में याचिका दायर की। खबर के अनुसार, शरीफ के वकील राणा मुहम्मद आरिफ खान ने मामले में याचिका दायर की। राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) की ओर से पेश हुए अभियोजक ने अदालत में कहा कि वह आवेदन को एनएबी मुख्यालय भेज देगा। अदालत ने शरीफ की याचिका पर नोटिस जारी कर सुनवाई तीन जून तक के लिए स्थगित कर दी। इस महीने की शुरुआत में, एनएबी ने तोशाखाना से एक लक्जरी वाहन खरीदने से संबंधित मामले में 74 वर्षीय शरीफ को क्लीन चिट दे दी थी। भ्रष्टाचार रोधी इकाई ने एक रिपोर्ट सौंपी जिसमें कहा गया कि उच्चतम न्यायालयने शरीफ से जुड़े एक कथित फर्जी अकाउंट की जांच के निर्देश दिए थे। उसने कहा कि पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) नेता ने तोशाखाना से प्राप्त वाहन के भुगतान के लिए कथित खाते से धन का उपयोग नहीं किया गया। रिपोर्ट में कहा गया कि सऊदी अरब द्वारा तत्कालीन प्रधानमंत्री को उपहार में दिया गया वाहन 1997 में तोशाखाना से हटा दिया गया था। इसने स्पष्ट किया कि 2008 में जब इसे नवाज द्वारा खरीदा गया था, तो वह तोशाखाना के स्वामित्व में नहीं था बल्कि संघीय परिवहन पूल के स्वामित्व में था। इस मामले में राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और पूर्व प्रधानमंत्री यूसुफ रजा गिलानी भी आरोपी हैं। हालांकि, जरदारी को राष्ट्रपति पद के चलते छूट प्राप्त है और इस पद पर रहने के दौरान उन पर मुकदमा नहीं चलाया जा सकता।

एस्ट्राजेनेका कंपनी ने कोरोना वैक्सीन वापस लेने का लिया फैसला

- भारत में भी इस कंपनी की करोड़ों लोगों को लगी है वैक्सीन

लंदन (एजेंसी)। कोरोना वैक्सीन को लेकर पूरी दुनिया में हाहाकार मचा हुआ है। वैक्सीनी को लेकर उठे विवाद के बीच दवा निर्माता कंपनी एस्ट्राजेनेका ने अपनी कोरोना वैक्सीन को वापस लेनी शुरू कर दी है। कंपनी ने कहा है कि यूरोपीय यूनियन के देशों से अपनी कोरोना वैक्सीन वैक्सजेवरिया को वापस ले रही है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक आने वाले दिनों में ब्रिटेन और दूसरे देशों में भी वैक्सीन को वापस लेने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। कंपनी ने यह फैसला ऐसे समय लिया जब फरवरी में उसने ब्रिटेन की कोर्ट में वैक्सीन के चलते गंभीर बीमारी होने की बात स्वीकार की है। हालांकि, एस्ट्राजेनेका ने वैक्सीन को वापस लेने के पीछे व्यावसायिक कारणों को वजह बताया है। भारत में भी एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन करोड़ों लोगों को लगी है। कोरोना वैक्सीन को लेकर भारत में भी यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है।

एस्ट्राजेनेका ने वैक्सीन वापस लेने पर कहा कि यह फैसला इसलिए किया है क्योंकि अब कई प्रकार के नए टीके उपलब्ध हैं जिन्हें कोविड-19 वेरिएंट को लक्षित करने के लिए तैयार किया है। इसमें कहा गया है कि अब वैक्सीन का निर्माण या आपूर्ति नहीं की जा रही है, इसकी जगह नए वेरिएंट से निपटने वाले अपडेटेड टीकों ने ले ली है। भले कंपनी विवाद टीके को वापस लेने को महज संयोग बता रही है लेकिन इसकी कोरोना वैक्सीन गहन जांच के दायरे में है।

कंपनी के खिलाफ ब्रिटेन की कोर्ट में मामला दायर किया गया है, जिसमें कहा गया है कि इस कंपनी की कोरोना वैक्सीन खून में थक्का जमने और खून में कम प्लेटलेट की वजह बनती है। एक रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिटेन में कथित तौर पर इस टीके को लगवाने के बाद 81 लोगों की मौत हुई है, जबकि सैकड़ों लोग को गंभीर साइड इफेक्ट हुए हैं। कंपनी ने अदालत में दस्तावेज जमा किए जाने के बाद 5 मार्च को यूरोपीय यूनियन में वैक्सीन को वापस लेने के लिए आवेदन किया था, जो 7 मई से प्रभावी हुआ है।

पाकिस्तान में टारगेटेट हत्याओं के पीछे भारत का हाथ!

- आईएसपीआर के डीजी मेजर जनरल चौधरी ने लगाया आरोप

इस्लामाबाद (एजेंसी)। आईएसपीआर के डीजी मेजर जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने कहा कि हाल में हुई टारगेटेड हत्याओं में पाकिस्तान के पास भारत के शामिल होने के पक्के सबूत हैं। चौधरी ने रावलपिंडी में जनरल मुख्यालय में मीडिया से मुखातिब होते हुए कहा कि भारत की हत्या का सिलसिला अब कई देशों में फैल गया है। दूसरे देश में सिख नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से लेकर, भारत पाकिस्तान में लोगों की हत्याओं में शामिल रहा है।

मेजर जनरल ने कहा कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियां सीमा पर आक्रामकता दिखाकर और साथ ही पाकिस्तान विरोधी चुनावी कहानी बनाकर अपने आंतरिक मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाने की भारत की योजना से वाकिफ हैं। उन्होंने दावा किया कि मौजूदा लोकसभा चुनावों के दौरान जम्मू-कश्मीर में लोगों की राय को दबाने की भारत की योजना भी साफ नजर आती है। उन्होंने कहा कि पांच दिनों में पांच सीटों के चुनाव का उद्देश्य केवल कश्मीरियों की आवाज को दबाना और चुनाव परिणाम में हेरफेर करना है।

अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सुरक्षा के सवाल पर चौधरी ने कहा कि अफगानिस्तान में तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ एक आरोप पत्र जारी किया। इसमें दावा किया गया कि देश में 90 फीसदी से ज्यादा आतंकवादी हमलों को अफगानिस्तान द्वारा बढ़ावा दिया जाता है। उन्होंने कहा कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को अफगानिस्तान सहयोग, सुविधा प्रदान करता है। अफगान नागरिक पाकिस्तान में आतंकी हमलों को अंजाम दे रहे हैं। हमने कई अफगान आतंकवादियों को मार गिराया है।

उन्होंने कहा कि बेशाम में चीनी इंजीनियरों पर हमले में एक आत्मघाती अफगानी हमलावर शामिल था। हमले में पांच चीनी नागरिकों और एक पाकिस्तानी नागरिक की मौत हो गई थी। हमले में शामिल वाहन भी अफगानिस्तान में तैयार किया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि ग्वादर और बलूचिस्तान के अन्य हिस्सों में हुए हमलों में अफगान नागरिक और बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के आतंकी शामिल थे। उन्होंने कहा कि ऐसे समूहों के साथ कोई बातचीत नहीं हो सकती, जो देश की अखंडता और सुरक्षा के लिए खतरा हैं।

आपराधिक, अलगाववादी तत्वों को सुरक्षित पनाह देना बंद करें, कनाडा पर सख्त हुआ भारत

लंदन। कनाडा में खालिस्तान समर्थक रैली में भारतीय प्रधानमंत्री का पुतला दिखाए जाने के कुछ दिनों बाद भारत ने मंगलवार को कनाडाई सरकार से आपराधिक और अलगाववादी तत्वों को सुरक्षित आश्रय और राजनीतिक स्थान प्रदान करना बंद करने का आह्वान किया। कनाडाई पुलिस ने सप्ताहांत में कहा था कि उन्होंने हत्या के आरोप में तीन भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने मंगलवार को कनाडा के माल्टन में नगर कीर्तन परेड में झांकियों के संबंध में मीडिया के सवालों के जवाब में कहा कि जैसा कि आप जानते हैं, हमने बार-बार इस्तेमाल की जा रही हिंसक छवियों के बारे में अपनी मजबूत चिंताओं को उठाया है।' कनाडा में चरमपंथी तत्व हमारे राजनीतिक नेतृत्व के खिलाफ हैं। पिछले साल, एक जुलूस में हमारे पूर्व प्रधान मंत्री की हत्या को दर्शाती एक झांकी का इस्तेमाल किया गया था। पूरे कनाडा में भारतीय राजनयिकों के खिलाफ हिंसा की धमकी वाले पोस्टर भी लगाए गए हैं। प्रवक्ता ने कहा कि हिंसा का जश्न मनाना और उसका महिमामंडन करना किसी भी सभ्य समाज का हिस्सा नहीं होना चाहिए. लोकतांत्रिक देश जो कानून के शासन का सम्मान करते हैं, उन्हें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर कट्टरपंथी तत्वों को डराने-धमकाने की अनुमति नहीं देनी चाहिए।

चीन का मून मिशन चांगई 6 चंद्रमा के ऑर्बिट में पहुंचा

बीजिंग (एजेंसी)। चीन का यह मिशन 8 मई 2024 को चंद्रमा के ऑर्बिट में पहुंच गया है। इसका लैंडर 1 जून 2024 को ऑर्बिटर से अलग होगा। 2 जून 2024 को सैंपल जमा करेगा। 4 जून 2024 को चांद की सतह से एसेंट व्हीकल उड़ान भरेगा। 6 जून को यह एसेंट व्हीकल ऑर्बिटल सर्विस मॉड्यूल तक पहुंचेगा। फिर यह मॉड्यूल 25 जून को वापस धरती पर पहुंचेगा। लेकिन यह सीक्रेट रोवर रोबोट क्या करेगा? क्योंकि इस मिशन का मुख्य पेलोड तब इसका लैंडर है, जो चांद की सतह पर उतरेगा। चीन ने चांद पर अपने मून मिशन चांगई 6 के साथ फ्रांस, स्वीडन, इटली और पाकिस्तान के पेलोड्स को भी भेजा है। जिनके बारे में कुछ बताया नहीं गया है। इसके अलावा एक अतिरिक्त पेलोड भी है। इस सीक्रेट रोवर कह रहे हैं।

यह मिनी रोबोटिक रोवर चांद की सतह से निकलने वाले रेडिएशन की स्टडी करेगा। ताकि वह मौजूद पत्थरों, मिट्टी, रिगोलिथ और सतह की जांच कर सके। इसकी मदद से पानी की खोज भी की जा सकती है। दिक्कत ये है कि इस रोवर को स्पेसक्राफ्ट के बाहर क्यों अटैच किया गया है। यह कैसे जमीन पर उतरेगा, उसका खुलासा भी नहीं किया गया है। यह रोवर वाई-फाई या ब्लूटूथ के जरिए लैंडर से संपर्क में रहेगा। लेकिन यह मिशन बेहद छोटे समय के लिए है। इसलिए यह सीक्रेट रोवर ज्यादा समय तक चांद की सतह पर समय नहीं बिता पाएगा। इसका काम और मकसद भी छोटा ही होगा। हमारी आंखों से चंद्रमा का सिर्फ एक ही हिस्सा दिखता है। इस नीयर साइड कहते हैं। लेकिन इसके पिछले हिस्से को डार्क या फार साइड कहते हैं। क्योंकि यह हमारी नजरों से नहीं दिखता।

एडल्ट स्टार स्टॉर्मी की गवाही, कमरे से बाहर जाने की कोशिश की लेकिन ट्रंप ने रोक लिया

- ट्रंप ने डेनियल के साथ यौन संबंध बनने की बात से इंकार किया

वाशिंगटन (एजेंसी)। एडल्ट स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ गुप्त धन मामले में गवाही दी। पोर्न स्टार ने 2006 में अमेरिका के लेक ताहो के होटल के सुइट में उनके कथित यौन संबंध और उन्हें मिले पैसे के बारे में विस्तार से बताया। डेनियल्स ने ट्रम्प के साथ अपनी शाम के बारे में बताकर कहा कि जब वह बाथरूम का उपयोग करने गई थी, तब उसने अपने टॉयलेटरी बैग को देखा, जिसमें ओल्ड स्पाइस और पर्ट प्लस की वस्तुएं पड़ी हुई थीं।

डेनियल्स ने बताया कि पहली बार ट्रम्प से 2006 लेक ताहो सेलिब्रिटी गोल्फ आउटिंग पर मिली थीं और बातचीत की थी। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने उन्हें अपने आलीशान होटल के सुइट में डिनर के लिए आमंत्रित कर उन्हें स्मार्ट लेडी कहा था। डेनियल्स ने कहा कि ट्रम्प का निमंत्रण स्वीकार कर लिया क्योंकि वह अपने सहकर्मियों के साथ डिनर से बचना चाहती थी। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने अपने सिक्योरिटी गार्ड से उनका नंबर लिया था। डेनियल्स ने कहा कि जब उन्होंने ट्रम्प को पहली बार देखा तब उन्होंने सिल्क पायजामा पहना हुआ था, जब उन्होंने दरवाजा खोला, तब प्लेबॉय पत्रिका के संस्थापक ह्यू हेफनर के बारे में दोनों के बीच मजाक भी हुआ। डेनियल्स ने कहा कि उन्होंने ट्रम्प से चेंज करने के लिए कहा और उन्होंने बहुत विनम्रता से इस बात स्वीकार कर लिया। बातचीत के दौरान स्टॉर्मी बाथरूम गईं। इसके बाद ट्रम्प अपने कमरे में पहुंच गए। वे टी-शर्ट और शॉर्ट्स में थे। स्टॉर्मी ने कमरे से बाहर जाने की कोशिश भी की, लेकिन ट्रम्प ने उन्हें रोक लिया। इसके बाद दोनों के बीच शारीरिक संबंध बने।

डेनियल्स ने कहा कि ट्रम्प ने उनसे वयस्क उद्योग में उनके कार्यकाल के बारे में पूछताछ कर पूछा कि क्या उनका यौन संचारित रोगों (एसटीडी) के लिए परीक्षण किया गया है। डेनियल्स ने कहा कि ट्रंप की पत्नी मेलानिया के बारे में भी बात हुई। हालांकि ट्रम्प ने डेनियल के साथ यौन संबंध बनाने की बात से इनकार किया है।

ब्रिटेन का लाल ग्रह पर जाने का इरादा, चल रही है तैयारी

-स्पेस साइंटिस्ट ने 'मंगल ग्रह' का किया निर्माण

लंदन (एजेंसी)। अब ब्रिटेन अंतरिक्ष के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है, यहां कि अब तो मंगल ग्रह पर जाने की ही तैयारी है। यहां के स्पेस साइंटिस्ट ने स्टीवनेज में 'मंगल ग्रह' का निर्माण किया है। फ्रांसीसी एयरोस्पेस दिग्गज एयरबस ने अपने एक्सोमार्स रोवर का परीक्षण करने के लिए हर्टफोर्डशायर शहर में एक औद्योगिक संपत्ति पर 2.25 करोड़ किमी दूर ग्रह की सतह के जैसे हालात बनाने के लिए लाल रेत और चट्टानों का उपयोग किया है।

2028 में यान मंगल ग्रह पर पानी और संभावित जीवन के संकेत खोजने के मिशन पर रवाना होगा। एयरबस ने स्टीवनेज में रोवर का निर्माण किया है, जो यूके में अंतरिक्ष क्षेत्र में 3,500 लोगों को रोजगार देता है। कंपनी शीघ्र ही यूरोपीय स्पेस एजेंसी के साथ उस लैंडिंग मॉड्यूल के लिए थ्रस्टर्स बनाने के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर करेगी जिसकी आपूर्ति रूसियों को यूक्रेन पर आक्रमण करने से पहले करनी थी। इस बीच इसके प्रदर्शन को इसके विशेष रूप से निर्मित ब्रिटिश 'मार्स यार्ड' में तैयार किया जाएगा। एयरबस के एक्सप्लोरेशन रोवर्स प्रोग्राम मैनेजर क्रिस ड्रेपर ने कहा कि इसका अंतरिक्ष अभियान ÷यूके में हमारे लिए एक वास्तविक सफलता की कहानी÷ रहा है। उन्होंने कहा, ÷स्टीवनेज में रोवर का निर्माण करने के बाद अब हम लैंडर को डिजाइन करने का एक बड़ा हिस्सा होंगे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वह सुरक्षित रूप से नीचे उतर सके।÷ यह परियोजना एक संपन्न यूके अंतरिक्ष उद्योग का हिस्सा है जो 50,000 लोगों को रोजगार देता है और देश की धरती से एक भी रॉकेट लॉन्च किए बिना अर्थव्यवस्था में हर साल 18 खरब 34 अरब 56 करोड़ रूपये पंप करता है।

ब्रिटेन का कोई अंतरिक्ष कार्यक्रम नहीं है, लेकिन 2015 से इस क्षेत्र में दुनिया के निजी निवेश का 17 प्रतिशत प्राप्त हुआ है। यह अमेरिका के बाद दूसरा है। 2030 तक 100,000 उपग्रहों के कक्षा में स्थापित होने की उम्मीद के साथ, ब्रिटिश कंपनियां पृथ्वी के चारों ओर घूमते समय उनकी सेवा करने का विचार तलाश रही हैं। 2031 तक बाजार 11 खरब, 53 अरब 16 करोड़ रुपयों का होने की उम्मीद है। बता दें कि एक समय था पृथ्वी के लगभग अधिकांश देशों पर अंग्रेजों का राज था। लेकिन पृथ्वी से बाहर जाने में अंग्रेजों कभी रुचि नहीं दिखाई। पर अब लगता है हालात बदल रहे हैं।

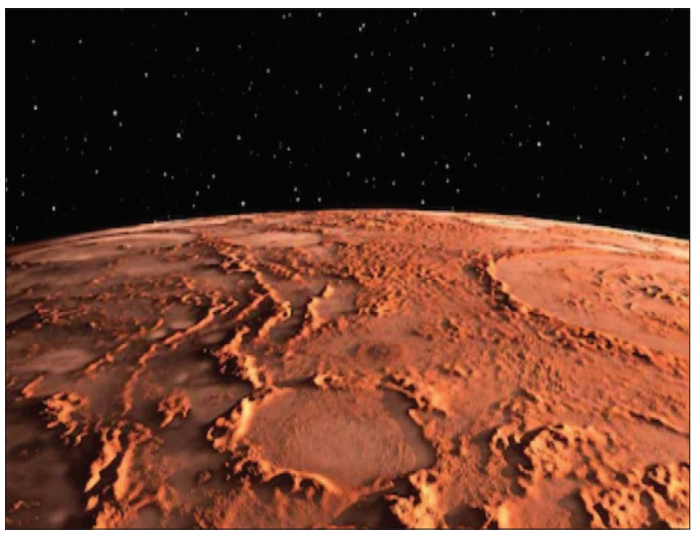

चुनाव देश में चल रहा है और समर्थन विदेश से मिल रहा

-स्मृति ईरानी ने पाकिस्तान के पूर्व मंत्री चौधरी के बयान पर किया पलटवार

नई दिल्ली।

लोकसभा चुनाव में अमेठी से बीजेपी प्रत्याशी केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने पाकिस्तान के पूर्व मंत्री चौधरी फवाद हुसैन द्वारा एक्स पर किए पोस्ट में राहुल गांधी की तारीफ करने को लेकर हमला बोला है। ईरानी ने एक चुनावी रैली में कहा कि अमेठी में अब एके 203 राइफलों की फैक्ट्री है, जिसका इस्तेमाल सीमा पर पाकिस्तानी आतंकवादियों को बेअसर करने के लिए किया जा रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि फवाद चौधरी को पाकिस्तान की चिंता करनी चाहिए, न कि अमेठी की। केंद्रीय मंत्री ने रैली में कहा कि अभी तक मैं एक कांग्रेस नेता से लड़ रही थी, लेकिन अब एक पाकिस्तानी नेता ने कहा है कि स्मृति ईरानी को हराना चाहिए। चौधरी का जिक्र करते हुए ईरानी ने कहा कि आप पाकिस्तान को तो संभाल नहीं पा रहे है और अमेठी की चिंता कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर मेरी आवाज पाकिस्तान के नेता तक पहुंचती है तो मैं कहना चाहती हूं कि यह वही अमेठी है, जहां पीएम नरेंद्र मोदी ने एके 203 राइफल की फैक्ट्री लगाई है, जिसका इस्तेमाल सीमा पर आतंकियों को मारने के लिए किया जा रहा है। ईरानी ने आगे कहा कि राहुल गांधी ने अभी तक पूर्व पाकिस्तानी मंत्री के पोस्ट की निंदा नहीं की है और पाकिस्तान के साथ उनके संबंधों पर सवाल उठाया है। ईरानी ने कहा कि मैं आपसे पूछना चाहती हूं राहुल गांधी जी, पाकिस्तान के साथ आपका क्या रिश्ता है?

उन्होंने कहा कि देश में आम चुनाव चल रहे हैं और समर्थन मिल रहा है आपके विदेश में जिसका मोटे तौर पर मतलब है कि देश में चुनाव हो रहे हैं लेकिन आप विदेशी धरती से समर्थन हासिल कर रहे हैं। बता दे कि 1 मई को, चौधरी फवाद हुसैन ने राहुल गांधी का एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह बीजेपी और पीएम मोदी पर निशाना साधते दिख रहे थे। वीडियो में, राहुल गांधी को राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आमंत्रित लोगों को लेकर बीजेपी सरकार पर हमला करते हुए भी सुना जा सकता है। 4 मई को फिर चौधरी ने एक्स पोस्ट में राहुल गांधी की तारीफ की। इस बार उनकी पार्टी के सत्ता में आने पर धन पुनर्वितरण सर्वेक्षण कराने के वादे पर। उन्होंने राहुल गांधी की तुलना भारत के पहले प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू से की और कहा कि दोनों समाजवादी।

बता दें कि स्मृति ईरानी जहां अमेठी से दोबारा चुनाव लड़ रही हैं, वहीं राहुल गांधी रायबरेली से चुनाव लड़ रहे हैं। पार्टी ने 3 मई को एक बयान में कहा, गांधी परिवार के करीबी सहयोगी किशोरी लाल शर्मा को अमेठी लोकसभा सीट से मैदान में उतारा गया है।

शोध ने किया अलर्ट: पटना सहित दस जिलों में बाढ़ से होगा सर्वाधिक नुकसान

पटना/नई दिल्ली। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी)-दिल्ली और आईआईटी-रुड़की के शोधकर्ताओं ने देश में बाढ़ को लेकर बड़ा शोध किया है। शोध के परिणाम काफी डराने वाले आए है। भारत में सबसे भीषण बाढ़ पटना में आती है, इसके बाद पश्चिम बंगाल का मुर्शिदाबाद और महाराष्ट्र का ठाणे है। सूचकांक में प्रभावित लोगों की संख्या, बाढ़ की व्यापकता और इसकी अवधि के आधार पर बाढ़ की ऐतिहासिक गंभीरता को ध्यान में रखा गया है। शोधकर्ताओं ने कहा जिन शीर्ष दस जिलों में बाढ़ की गंभीरता सबसे अधिक है उनमें पटना, मुर्शिदाबाद, ठाणे, उत्तर 24 परगना (पश्चिम बंगाल), गुंटूर (आंध्र प्रदेश), नागपुर (महाराष्ट्र), गोरखपुर (उत्तर प्रदेश), बलिया (उत्तर प्रदेश), पूर्वी चंपारण (बिहार), और पूर्वी मेदिनीपुर (पश्चिम बंगाल) शामिल हैं। आईआईटी-दिल्ली के सहायक प्रोफेसर मनबेंद्र सहारिया समेत अन्य शोधकर्ताओं ने कहा कि बाढ़ के सबसे अधिक खतरे का सामना करने वाले 30 जिलों में से 17 गंगा बेसिन में और तीन ब्रह्मपुत्र बेसिन में हैं। उन्होंने कहा कि सभी भारतीय नदी घाटियों में, गंगा बेसिन में सबसे अधिक आबादी है, और यहां बाढ़ की उच्च आशंका चिंताजनक है। भारत में असम में सबसे अधिक बाढ़ आती है। राज्य ने पिछले 56 वर्षों में 800 से अधिक बाढ़ की घटनाओं का सामना किया है। शोधकर्ताओं ने कहा कि भारत में जनसंख्या में वृद्धि के बावजूद बेहतर प्रबंधन के कारण हाल के दिनों में बाढ़ के कारण मानव मृत्यु दर लगभग स्थिर है या इसमें कमी आई है। आंकड़ों से पता चलता है कि 2015 से प्रति वर्ष मौतों की संख्या लगभग 1,000 है।

मुजफ्फरपुर भी डेंजर जोन में

उन्होंने कहा कि इसके बाद मुजफ्फरपुर (बिहार), लखीमपुर (असम), कोटा (राजस्थान), औरंगाबाद (महाराष्ट्र), मालदा (पश्चिम बंगाल), राजकोट (गुजरात), प्रयागराज (उत्तर प्रदेश), औरंगाबाद (बिहार), बहराईच (उत्तर प्रदेश), अहमदाबाद (गुजरात), जलपाईगुड़ी (पश्चिम बंगाल), दार्जिलिंग (पश्चिम बंगाल), डिब्रूगढ़ (असम), आज़मगढ़ (उत्तर प्रदेश), चमोली (उत्तराखंड), पश्चिम चंपारण (बिहार), अमरावती (महाराष्ट्र), मेदिनीपुर पश्चिम (पश्चिम) बंगाल), और समस्तीपुर (बिहार) हैं। उत्तराखंड के चमोली में बार-बार बाढ़ नहीं आती, लेकिन कुछ अलग-अलग अत्यधिक विनाशकारी बाढ़ की घटनाओं के कारण चमोली को भी इस सूची में रखा गया है।

पीएम मोदी रोड शो के बाद 14 मई को वाराणसी में कर सकते हैं नामांकन

वाराणसी ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 मई को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में रोड शो करेंगे। इसके लिए वाराणसी लोकसभा प्रबंध समिति ने बैठक करके रोड शो के रूट और तैयारी पर चर्चा की। पीएम के रोड शो का जगह-जगह भव्य स्वागत किया जाएगा। इसके बाद पीएम नरेंद्र मोदी 14 मई को नामांकन दाखिल कर सकते हैं। पीएम का रोड शो 13 मई की शाम को होगा। इसके लिए तैयारी शुरू हो गई है। रोड शो को भव्य बनाने के लिए प्रमुख कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी जाएगी। प्रधानमंत्री के रोड शो को लेकर मंगलवार को लोकसभा प्रबंध समिति की बैठक हुई। इसमें रोड शो के रूट पर चर्चा की गई। साथ ही अलग-अलग सामाजिक संगठनों की भागीदारी पर भी चर्चा की गई। 2014 और 2019 में भी नरेंद्र मोदी ने चुनाव से पहले रोड शो किया था। संगठन इस बात को तय करना चाहता है कि इस बार का रोड शो पहले से ज़्यादा भव्य हो। वहीं पीएम लंका स्थित मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा पर माल्यर्पण करके रोड शो शुरू करेंगे। उसके बाद अस्सी, सोनारपुरा, जंगम बाड़ी, गोदौलिया, बांसफाटक होते हुए विश्वनाथ कॉरिडोर तक जाएंगे। सातवें चरण के नामांकन के लिए 14 मई आखिरी तारीख भी है। 14 मई को गंगा सप्तमी का शुभ संयोग है। वैशाख शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को गंगा सप्तमी का पर्व मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन धरती पर मां गंगा का अवतरण हुआ था। पीएम मोदी के रोड शो को सफल बनाने के लिए अलग अलग विधानसभाओं की बैठक आज होगी। इसके साथ ही वाराणसी के सभी 21 मंडलों में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक भी होगी।

शाह के बयान से कांग्रेस में आई जान- राजस्थान में दिखेगा फायदा

बाड़मेर ।

अभी देश में लोकसभा चुनाव चल रहे हैं। तीन चरणों का मतदान हो गया है और 4 चरण शेष हैं। राजनैतिक दल अपनी अपनी जीत के दावे कर रहे हैं। ऐसे ही दावों के बीच केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के एक बयान ने कांग्रेस में जान फूंकने का काम कर दिया है। कांग्रेस मानकर चल रही है कि कि अब केवल मतों की गिनती बाकी है। शाह ने एक टीवी इंटरव्यू में यह बात स्वीकार की है। शाह के इस बयान के बाद कांग्रेस का आत्मविश्वास बढ़ा है। वहीं उनकी संभावनाओं को काफी बल मिला है। अमित शाह ने स्वीकार किया है कि राजस्थान में कुछ सीटे कम आ रही हैं। उनके बयान से लग रहा है कि इस बार शायद बीजेपी क्लीन स्वीप नहीं कर पाएगी। उन्होंने एक दो सीटों की कटौती होने की संभावना जताई है। अमित शाह के इस बयान के बाद इसके बड़े सियासी संकेत को समझने की कोशिश की जा रही है।इसी के चलते बायतु विधायक हरीश चौधरी का बड़ा बयान सामने आया है। जिसमें उन्होंने दावा करते हुए कहा कि कांग्रेस तो राजस्थान में जीत रही है, केवल काउंटिंग ही करना बाकी है। इधर, अमित शाह के बयान से कांग्रेस के नेता काफी आत्मविश्वास से लेबरेज नजर आ रहे हैं। इधर, कांग्रेस को इस बयान से काफी बल मिला है। कांग्रेस के नेता अमित शाह के बयान को लेकर अपनी बड़ी जीत मानने लगे हैं। इसी को लेकर हरीश चौधरी ने भी मीडिया से बातचीत करते हुए दावा किया कि कांग्रेस राजस्थान में बड़ी जीत हासिल कर रही है, केवल 4 जून को काउंटिंग होना बाकी है। इससे पहले गहलोत और पायलट भी राजस्थान में कांग्रेस की डबल डिजिट में जीत हासिल करने का दावा कर चुके हैं।

एम्स भुवनेश्वर के डॉक्टरों ने मरीज की खोपड़ी से निकाला 7 किलो का ट्यूमर

भुवनेश्वर।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भुवनेश्वर के डॉक्टरों ने पश्चिम बंगाल के 51 वर्षीय मरीज की खोपड़ी से 7 किलोग्राम वजन का एक दुर्लभ सिनोवियल सार्कोमा ट्यूमर निकाला है। विशेषज्ञ डॉक्टर्स की मौजूदगी में यह जटिल ऑपरेशन करीब सात घंटे तक चला। पिछले कई सालों से पश्चिम बंगाल के 51 वर्षीय रवींद्र बिसुई छोटे ट्यूमर की समस्या से जूझ रहे थे,लेकिन पिछले छै महीने में यह ट्यूमर काफी बड़ा हो गया और उनकी जीवन ही खतरे में पड़ने लगा था। काफी इलाज के बाद भी कहीं कोई राहत नहीं मिली थी। आखिर उन्होंने फिर एम्स भुवनेश्वर के

प्लास्टिक सर्जरी डिपार्टमेंट में डॉक्टर को दिखाया। डॉक्टर्स की टीम ने पाया कि मरीज की खोपड़ी पर सिनोवियल सारकोमा ट्यूमर है। एम्स-भुवनेश्वर में बर्न्स और प्लास्टिक सर्जरी विभाग के प्रमुख डॉ. संजय गिरी ने मामले की जटिलता को समझा और खोपड़ी से ऐसे सूजे हुए ट्यूमर को हटाने में शामिल जोखिम पर के बारे में मरीज के परिजनों को बताया। एम्स की सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी और एनेस्थिसियोलॉजी विभागों के विशेषज्ञ डॉक्टर्स की टीम ने इसे कठिन चुनौती के तौर पर लिया। हालांकि, सावधानीपूर्वक प्लानिंग और अत्याधुनिक तकनीकों ने ऑपरेशन की सफलता सुनिश्चित की। 10 घंटे की मैराथन सर्जरी के बाद मरीज रवींद्र मेडिकल टीम की विशेषज्ञता और समर्पण से की वजह से विजयी हुए। उन्होंने हृदय से प्रशंसा व्यक्त करते हुए डॉक्टरों की तुलना देवदूतों से की, जिनकी वजह से उनको एक नई जिंदगी प्रदान मिली है।

ट्रक ने मारी कार को टक्कर एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत, दो घायल

-मौके से ट्रक ड्रायवर फरार, पुलिस कर रही तलाश

नई दिल्ली।

राजस्थान के सवाई माधोपुर में एक सड़क हादसे में छह लोगों की जान चली गई। हादसा देखकर सड़क के किनारे ट्रक के पास खड़े कुछ लोग रेलिंग फांदकर वहां से भाग निकले। घटना के बाद ट्रक ड्राइवर भी मौके से फरार हो गया।

इस हादसे के बाद सामने आया सीसीटीवी फुजेट से पता चलता है कि ट्रक ड्राइवर की लापरवाही से एक ही परिवार के 6 लोगों की जान चली गई। इस वीडियो में हाईवे पर चल रहे ट्रक ने अचानक यू-टर्न लिया, जिससे पीछे से आ रही कार ट्रक से टकरा गई। हादसा देखकर सड़क के किनारे खड़े कुछ लोग रेलिंग कूदकर वहां से भागे। वहीं, घटना के बाद ट्रक ड्राइवर भी फरार हो गया। हालांकि, बोली थाना पुलिस ने हादसे के बाद सूचना के आधार पर ट्रक को कुछ ही घंटे में जब्त कर लिया। पुलिस की टीम ट्रक ड्राइवर की तलाश कर रही है। ये घटना सवाई माधोपुर जिले के बोली थाना क्षेत्र से गुजर रहे दिल्ली-मुंबई

एक्सप्रेसवे पर बनास नदी पुल के पास उस वक्त हुई, जब ट्रक ने एक कार को टक्कर मार दी। मुकुंदगढ़ निवासी सीकर से चलकर रणथम्भौर त्रिनेत्र गणेश मंदिर दर्शन के लिए सवाई माधोपुर आ रहे थे। हादसे में मनीष शर्मा, उनकी पत्नी अनीता शर्मा, सतीश शर्मा, पूनम, संतोष और कैलाश की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, हादसे में दो बच्चे मनन और दीपाली घायल हुए हैं। उन्हें अस्पताल में भ्रर्ती कराया गया है जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस ने सभी शवों का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

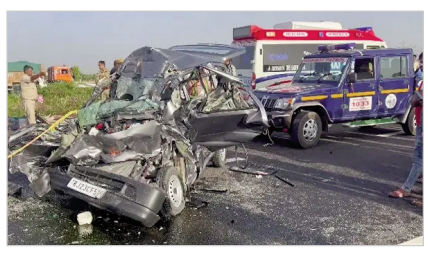

संक्षिप्त समाचार

60 लाख रुपए की ऑनलाइन ठगी करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

- ओडिशा क्राइम ब्रांच ने गुजरात से दबोचा, कोर्ट ने रिमांड पर भेजा

भुवनेश्वर। ऑनलाइन ट्रेडिंग के जरिए भुवनेश्वर के एक व्यक्ति से 60 लाख रुपए की ठगी करने के आरोप में गुजरात से चार साइबर जालसाजों को ओडिशा क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों को एसडीजेएम, भुवनेश्वर की अदालत में पेश किया गया। इसके बाद में कोर्ट ने आरोपियों को पुलिस रिमांड पर भेज दिया। अपराध शाखा के एक अधिकारी ने बताया कि 4 नवंबर, 2023 को शिकायतकर्ता जो भुवनेश्वर का रहने वाला है, एक साइबर क्राइम सिंडिकेट का शिकार हो गया। उसने उसे ऑनलाइन ट्रेडिंग में निवेश के बहाने लुभाया और उस प्रक्रिया में लगभग 20 दिनों के अंदर करीब 60 लाख रुपए निकाल लिए। पीड़ित ने 26 नवंबर 2023 को क्राइम ब्रांच में शिकायत दर्ज कराई थी। जांच टीम को पता चला कि ये जालसाज गुजरात में रह रहे हैं। इसके बाद एक टीम अहमदाबाद गई और गुजरात पुलिस की अपराध शाखा की मदद से इन जालसाजों को फतेवाड़ी से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी व्यक्तियों की पहचान फकीर अल्फाशाज बिस्मिल्लाशा (20), अहमद खान सरदार खान बलूच (38), शेख हुमा परवीन रफीक (27) और उनके पति रफीक अब्दुल मजीद शेख के रूप में की गई। सभी आरोपी गुजरात के अहमदाबाद जिले के फतेहवाड़ी इलाके के रहने वाले हैं।

खोया हुआ मोबाइल ठगों के हाथ लगा तो खाते से निकाल लिए एक लाख से ज्यादा

नालंद। रिटायर्ड पशु चिकित्सक डॉ जगदीश प्रसाद का बीती रात कहीं मोबाइल गिर गया था। रविवार की रात करीब आठ बजे वे बाइक से हिलसा से घर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में उनका मोबाइल गिर गया। साइबर अपराधियों ने मोबाइल फोन से करीब 1 लाख 20 हजार रुपए उड़ा लिए। नगरनौसा थाने के भोभी गांव निवासी डॉ जगदीश प्रसाद हिलसा शहर के नवीन नगर मोहल्ले में रहते हैं। रविवार की रात करीब आठ बजे वे बाइक से हिलसा से घर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में उनका मोबाइल गिर गया। साइबर अपराधियों ने मोबाइल फोन से करीब 1 लाख 20 हजार रुपए उड़ा लिए। बताया जा रहा है कि डॉक्टर साहब जब सिम कार्ड दूसरे फोन में डाले तो मोबाइल पर पैसे कटने की सूचना आने लगी, जिससे वह अवाक रह गया। इसके बाद वे तुरंत हिलसा स्थित भारतीय स्टेट बैंक गए और खाते से पैसे निकलने पर रोक लगाने का आवेदन दिया। इस अलावा हिलसा थाने में अज्ञात साइबर अपराधियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के लिए लिखित आवेदन दिया। आवेदन मिलते ही पुलिस इस मामले में जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि अगर उनका मोबाइल फोन पासबुक से जुड़ा है तो उसे सावधानी से संभालें। मोबाइल गिरना नहीं चाहिए। इस बात का ध्यान रखना सभी के लिए जरूरी है। अगर ऐसा हो जाता है, सबसे पहले नंबर को बंद कराएं ताकि मैसेज नहीं आ सके।

महिला ने नॉर्मल डिलीवरी से 5 लड़कियों को जन्म दिया!

किशनगंज । आप शायद यह बात सुनकर हैरत में पड़ जाएं लेकिन यह सच है। यहां एक महिला ने नॉर्मल डिलीवरी से साथ 5 बच्चों को जन्म दिया है। सभी बच्चे स्वस्थ हैं और सभी लड़कियां हैं। यह मामला किशनगंज जिले के पोठिया प्रखंड का है जहां बिहार-बंगाल सीमा पर एक निजी नर्सिंग होम में किशनगंज की एक महिला ने इन 5 लड़कियों को एक साथ जन्म दिया है। हैरत की बात यह है कि बगैर ऑपरेशन किए यह नॉर्मल डिलीवरी हुई है। जच्चा और बच्चा स्वस्थ बताए जा रहे हैं। पांचों नवजात इस समय डॉक्टरों की निगरानी में हैं। बताया जा रहा है कि किशनगंज जिले के ठाकुरगंज प्रखंड के जाल मिल्लिक गांव के रहने वाले जावेद आलम की पत्नी ताहेरा बेगम ने 5 बच्चियों को बीते शनिवार को एक साथ जन्म दिया है। निजी नर्सिंग होम की चिकित्सक डॉक्टर फर्जना नूरी के नेतृत्व में सफल प्रसव कराया गया। उन्होंने बताया कि जब महिला 2 माह की गर्भवती थी तभी से वो इलाज कर रही थीं। उन्होंने बताया कि अल्ट्रासोनोग्राफी के माध्यम से पता चला था कि महिला के गर्भ में 5-5 नवजात पल रहे हैं। जब गर्भवती महिला को इसका पता चला तो पहले तो वो डर गई थी। बाद में उसे हौसला दिया गया और एक साथ 5 बच्चियों को जन्म दिया। चिकित्सक ने कहा कि नॉर्मल डिलीवरी कर 5 बच्चियों को सफल प्रसव करवाया गया। सभी नवजात लड़कियां हैं। फिलहाल जच्चा और बच्चों का स्वास्थ्य ठीक है। 5 बच्चों को जन्म देने वाली महिला ताहेरा बेगम ने बताया कि उसको पहले से एक बेटा है। उसने बताया कि 2 महीने के गर्भ के दौरान पहले अल्ट्रासाउंड में 4 बच्चों के होने का पता चला। बाद में अगले अल्ट्रासाउंड में 5 बच्चों के होने की जानकारी मिली थी। बच्चों के जन्म के समय पति जावेद आलम मजदूरी के लिए बाहर गया हुआ था।

एमएसएमई के नए नियम के खिलाफ याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने किया खारिज

-याचिकाकर्ता को याचिका वापस लेने और हाईकोर्ट में अपील करने की दी अनुमति

नई दिल्ली। माइक्रो, स्मॉल और मीडियम एंटरप्राइज (एमएसएमई) के नए नियम के खिलाफ याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। दाखिल याचिका में आयकर एक्ट के तहत एक नियम को चुनौती दी गई थी, जिसमें नए नियम के तहत एमएसएमई में पंजीकृत व्यापारियों को 45 दिन के अंदर खरीदारों द्वारा रकम देना जरुरी है, वही विक्रेता भी 45 से अधिक दिनों के लिए उधार नहीं दे सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को याचिका वापस लेने और हाईकोर्ट में अपील करने की इजाजत दे दी है। इनकम टैक्स एक्ट की धारा 43बी(एच) का उद्देश्य एमएसएमई के बीच कर्ज बांटने की प्रथाओं को विनियमित करना, समय पर भुगतान करना और वर्किंग कैपिटल की कमी को दूर करना है। इसके तहत समय पर भुगतान न करने के कई तरह के नुकसान हो सकते हैं। पैसा चुकाने में देरी आर्थिक रूप से भारी पड़ सकती है। नियम के मुताबिक जुर्माने की रकम को भी तय किया गया है। समय-सीमा का पालन न करने पर, रिजर्व बैंक की तरफ से तय रेट से तीन गुना चक्रवृद्धि ब्याज के बराबर जुर्माना लगाया जाएगा। इसके अलावा वे अपनी टैक्सेबल इनकम से एमएसएमई को किए गए भुगतान में कटौती करने की क्षमता को भी खो सकते हैं। कॉन्फ़डरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) महाराष्ट्र के महामंत्री और अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकर ठक्कर ने कहा कि यह प्रावधान तब लागू होता है जब बिजनेस माइक्रो, स्मॉल और मीडियम एंटरप्राइज डेवलपमेंट एक्ट, 2006 (एमएसएमई) विकास अधिनियम, 2006 ((एमएसएमई एक्ट) के तहत पंजीकृत व्यापारी से सामान खरीदता है या सेवाएं लेता है।

कुछ एमएसएमई ने चिंता जताई है कि इस प्रावधान से बड़े खरीदार छोटे और मध्यम सप्लायर्स को नजरअंदाज कर सकते हैं और इसके बजाय ऐसे एंटरप्राइज से खरीदारी कर सकते हैं जो रजिस्टर्ड नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने एमएसएमई की ओर से याचिका दायर करने वाले फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया व्यापार मंडल को याचिका वापस लेने और हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाने की अनुमति दी। कैट की तरफ से कहा गया कि फरवरी में कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के प्रतिनिधियों ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की थी और क्लॉज के लागू करने को अप्रैल 2025 तक टालने का अनुरोध किया था।

वित्त मंत्रालय को एक ज्ञापन में, हमने सरकार के फैसले के लिए समर्थन व्यक्त किया, जिसमें व्यापारियों को 45 दिनों के भीतर एमएसएमई क्षेत्र को समय पर भुगतान करने के महत्व पर जोर दिया। हालाँकि नई धारा में स्पष्टता की कमी के चलते सरकार से इस खंड के लागू करने को तब तक निलंबित करने का आग्रह किया। या जब तक कि स्पष्टीकरण और सूचना का पूरे देश में प्रसार नहीं हो जाता। अब जबकि सुप्रीम कोर्ट ने भी इस पर कोई राहत नहीं दी है व्यापारियों को इस कानून की पालन करते हुए अपना व्यापार करना चाहिए।

दूसरी तरफ व्यापारियों का संगठन फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया व्यापार मंडल (एफएआईवीएम) चेन्नई और पश्चिम बंगाल के संगठनों के साथ आयकर की धारा 43 बी (एच) के तहत पेश किए गए नए खंड के खिलाफ अगले सप्ताह मद्रास, कलकत्ता और गुजरात के उच्च न्यायालयों में जा सकता है।

20 लाख रोगियों के विवरण से छेड़छाड़ कर 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर की फिरौती की मांग

तिरुवनंतपुरम ।

भारत में साइबर हमलों की सबसे बड़ी घटनाओं में से एक क्षेत्रीय कैंसर केंद्र (आरसीसी) के 20 लाख रोगियों के विवरण से छेड़छाड़ की गई, जिससे 14 में से 11 सर्वर प्रभावित हुए और विकिरण विभाग सहित कई प्रभागों में व्यवधान उत्पन्न हुआ।

सूत्रों ने बताया कि हमले ने 20 लाख से अधिक मरीजों की स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारियां चुराकर क्रिप्टोकरेंसी में फिरौती की मांग की।

कथित तौर पर कोरियाई-आधारित साइबर अपराधियों ने डेटा स्रोत में सफलतापूर्वक घुसपैठ कर 80 लाख से अधिक मरीजों की संवेदनशील जानकारियां निकालीं और 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर की फिरौती की मांग की।

सूत्रों ने कहा, तिरुवनंतपुरम में आरसीसी के विकिरण विभाग पर साइबर हमला 30 अप्रैल, 2024 को हुआ था। यह एक राज्य के स्वामित्व वाला प्रीमियम कैंसर देखभाल अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र है, जो पूरे भारत के रोगियों की सेवा करता है। मरीजों को विकिरण देने वाला सॉफ्टवेयर हैक कर लिया गया था। हमले के लिए जिम्मेदार समूह को डाइक्सिन टीम के नाम से जाना जाता है।

लाखों मरीजों के सर्जिकल, रेडिएशन और पैथोलॉजी परिणाम वाले सर्वर पर हमला किया था। हमले ने मरीजों के इलाज और अनुवर्ती जांच को नुकसान पहुंचाया। मरीजों को गलत विकिरण खुराक मिल सकती थी, जिससे जीवन के लिए खतरा पैदा हो सकता था।हमले ने संवेदनशील रोगी डेटा को खतरे में डाल दिया, जिसमें नाम, उम्र, पते, फोन नंबर और चिकित्सा इतिहास जैसी व्यक्तिगत साख शामिल हैं। मामले की जांच कर रही साइबर पुलिस और कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम (सीईआरटी-के) के मुताबिक, चीनी और उत्तर कोरियाई हैकर्स की भूमिका संदिग्ध है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई